लखनऊ

शुक्रवार 23 जनवरी, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 154

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

अर्जुन की तरह आप अपना चित्त केवल लक्ष्य पर केन्द्रित करें, एकाग्रता ही आपको सफलता दिलायेगी।

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi

NIGHT 10° Low

संक्षेप

पहले पत्नी को मारकर खुद बुलाई एंबुलेंसज्फिर कांग्रेस नेता के भतीजे ने कर लिया सुसाइड ; 2 महीने पहले शादी हुई थी

अहमदाबाद। गुजरात में कांग्रेस नेता शक्तिसिंह गोहिल के भतीजे यशराज सिंह गोहिल ने आत्महत्या कर ली। यशराज की शादी 2 महीने पहले ही हुई थी। पुलिस के मुताबिक बुधवार रात पति-पत्नी में झगड़ा हुआ था। इसके बाद यशराज ने पहले पत्नी राजेश्वरी की हत्या की। फिर 108 पर कॉल करके एंबुलेंस को बुलाया। जब डॉक्टर्स ने पत्नी को मृत घोषित कर दिया तो बाद यशराज ने भी आत्महत्या कर ली। पुलिस और क्राइम ब्रांच मामले की जांच कर रही हैं। घटना के बाद एनआरआई टावर के गेट बंद कर दिए गए हैं और कड़ी पुलिस सुरक्षा तैनात कर दी गई है। फ्लैट में रहने वालों के अलावा किसी को भी अंदर जाने की परमिशन नहीं है। बता दें यशराज सिंह गुजरात समुद्री बोर्ड में अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। उन्हें हाल ही में क्लास 2 से क्लास 1 अधिकारी के रूप में प्रमोट किया गया था। पुलिस के मुताबिक यशराज और राजेश्वरी बुधवार को एक रिश्तेदार के घर डिनर पर गए थे। वहां से लौटने के बाद दोनों के बीच किसी बात पर बहस हुई। बहस इतनी बढ़ी कि यशराज ने पत्नी से मारपीट की, फिर लाइसेंसी बंदूक से उसके सिर में गोली मार दी। पुलिस ने बताया कि यशराज ने 108 पर कॉल करके एंबुलेंस भी बुलाई। 108 की टीम मौके पर पहुंची और जांच करने पर पता चला कि राजेश्वरी की मौत हो चुकी है। 108 के कर्मचारियों के घर से निकलते ही यशराज ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

सिख विरोधी दंगा मामला : एक केस में पूर्व सांसद सज्जन कुमार बरी, जनकपुरी और विकासपुरी में भीड़ को भड़काने का था आरोप

नई दिल्ली। 1984 सिख विरोधी दंगों के एक मामले में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को राहत मिल गई है। दिल्ली की एक अदालत ने सज्जन कुमार को उस केस में बरी कर दिया है जिसमें उन पर जनकपुरी और विकासपुरी में भीड़ को हिंसा के लिए भड़काने का आरोप था। स्पेशल जज दिग्विनय सिंह ने सज्जन कुमार को बरी करने का संक्षिप्त रूप से मौखिक फैसला सुनाया। फैसले की कॉपी का इंतजार है। पिछले साल दिसंबर में मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने 22 जनवरी के लिए अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। फरवरी 2015 में एक विशेष जांच दल ने दंगों के दौरान दिल्ली के जनकपुरी और विकासपुरी में हुई हिंसा से जुड़ी शिकायतों के आधार पर कुमार के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की थीं। एक एफआईआर जनकपुरी में हुई हिंसा से संबंधित थी, जहां एक नवंबर 1984 को सोहन सिंह और उनके दामाद अवतार सिंह की हत्या कर दी गई थी। दूसरी प्राथमिकी गुरबचन सिंह के मामले में दर्ज की गई थी, जिनको दो नवंबर 1984 को विकासपुरी में कथित तौर पर जिंदा जला दिया गया था।

मुख्यमंत्री योगी का बड़ा बयान, कहा- सनातन धर्म को भीतर से खोखला कर रहे 'कालनेमि', सर्तक रहने की जरूरत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के राजनीति में चुनावी माहौल बनता दिखने लगा है। खरमास खत्म होने के साथ ही प्रदेश की राजनीति गरमाती नजर आ रही है। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी धर्म और विकास के मुद्दे के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में है। सीएम योगी आदित्यनाथ का नारा 'एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे' विपक्ष पर भारी पड़ता दिख रहा है। वहीं, नए साल में विकास योजनाओं को जमीन पर उतार कर योगी आदित्यनाथ सरकार माहौल को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश में है। धर्म के नाम पर बीजेपी वोट बैंक का ध्रुवीकर अपनी तरफ न कर सके, इसके लिए विपक्ष की भी तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस क्रम में प्रयागराज माघ मेला 2020 में ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के मुद्दे को खूब गरमाया जा रहा है।

विपक्ष बना रहा अपना मुद्दा

दरअसल, प्रयागराज माघ मेले के दौरान मौनी अमावस्या स्नान पर्व के मौके पर संगम नोज तक पालकी से जाने से रोकने के मुद्दे को खाता गरमाया जा रहा है। विपक्ष इस मुद्दे में अपनी जगह तलाशता दिख रहा है। विपक्ष के तमाम बड़े नेता भारतीय जनता पार्टी की सरकार को मामले में घेरने में जुटे हुए हैं। वहीं, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने भी सीएम योगी आदित्यनाथ पर सीधा हमला बोल दिया है। वह सनातन समाज के भारतीय जनता पार्टी से अलग हटने की बात करते दिख रहे हैं। विपक्ष इस पूरे विवाद में भाजपा की योगी सरकार को घेरकर 2027 की राह को मुश्किल बनाने की कोशिश में है। शंकराचार्य का स्थान हिंदू धर्म के सर्वोच्च नेता के तौर पर माना जाता है। ऐसे में माघ मेला प्रशासन के नोटिस का मुद्दा गर्म है। दूसरी तरफ, संत समाज का एक वर्ग सीएम योगी को निशाना बनाने के मामले में शंकराचार्य पर नाराज भी दिख रहा है।

2027 की राह आसान बनाने की कोशिश

यूपी में सीएम योगी लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल करने में 2022 में कामयाब रहे। कानून व्यवस्था के बुलडोजर मॉडल और प्रदेश को एक्सप्रेसवे स्टेट बनाने की दिशा में कार्य करने को लेकर उनकी तारीफ हुई। करीब साढ़े तीन दशक बाद प्रदेश में कोई सरकार दोबारा चुनकर सत्ता में वापस लौटी। अब 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति बन रही है। अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव 2024 में पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक यानी पीडीए पॉलिटिक्स के जरिए भारतीय जनता पार्टी के विजय रथ को 33 सीटों तक रोकने में कामयाबी हासिल की। हालांकि, यूपी चुनाव के रण में सीएम योगी की रणनीति की काट अब तक विपक्ष को मिल नहीं पाई है।

समाजवादी पार्टी से लेकर कांग्रेस तक सीएम योगी आदित्यनाथ के खिलाफ एक बड़ा मुद्दा उठाने में कामयाब नहीं हो पाई है, जिससे चुनावी बढ़त हासिल हो सके। तमाम पुराने मुद्दे सपा को जीत के आंकड़े तक ले जाने में कामयाब नहीं हुए हैं। ऐसे में हिंदू वोट बैंक में बंटवारा को लेकर कोशिशों को तेज किया गया है। ऐसे में सीएम योगी अपनी जमी-जमाई पिच पर अब खुलकर बैटिंग करते दिखने लगे हैं।

सोनीपत से बड़ा संदेश

सीएम योगी ने सोनीपत के कार्यक्रम से बड़ा संदेश दिया। उन्होंने सनातन समाज को बांटने की कोशिशों करने वालों को कालनेमि कहकर संबोधित किया। हालांकि, सीएम योगी ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन इसे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर छिड़े विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। ऐसे में कांग्रेस से लेकर सपा तक शंकराचार्य के अपमान की बात करती दिख रही है। वहीं, सीएम योगी आक्रामक हो गए हैं। उन्होंने कहा कि सनातन को बांटने की कोशिशों को सफल नहीं होने दिया जाएगा।

लव जिहाद, डेमोग्राफी चेंज का मुद्दा

सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसके साथ ही लव जिहाद और डेमोग्राफी चेंज का मुद्दा भी छेड़ दिया। सीएम योगी ने कहा है कि लव जिहाद से बेटियों को हम बचाएंगे। इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। परिवारों को जागरूक किया जाएगा।

खरगे ने पीएम मोदी से पूछा : क्या कभी चाय बनाकर लोगों के बीच बांटा ? मनरेगा वाली मजदूरी करने की दी नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मनरेगा योजना को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मनरेगा को खत्म करना महात्मा गांधी का नाम और ग्राम स्वराज की सोच मिटाने की कोशिश है। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी के 'चायवाले' दावे पर भी जमकर निशाना साधा। जो कि खूब सुर्खियों में भी है। खरगे ने सरकार पर गरीब लोगों का हक छीनने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चार दिन आप भी मजदूरी कीजिए। मनरेगा का काम कीजिए तब पता चलेगा।

खरगे ने कहा कि लोगों के वोट लेने के लिए 'मैं चाय वाला हूं' कहते रहे। कभी चाय बनाई या केतली लेकर हर आदमी को दिया क्या? केवल भाषण के सहारे लोगों के वोट हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। सब इनका नाटक है। गरीबों को दबाना इनकी आदत है। बता दें कि खरगे ने यह बातें कांग्रेस द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मनरेगा मजदूर सम्मेलन में बोलते हुए कही।

इस सम्मेलन में देशभर से आए मजदूरों ने हिस्सा लिया। वे अपने-अपने काम के स्थान से एक मुट्ठी मिट्टी लेकर आए। इस मिट्टी को पौधों में डाला गया, जो मजदूरों के संघर्ष और उनके हक का प्रतीकात्मक संदेश था। इस मौके पर खरगे के साथ लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी मौजूद थे। इसके साथ ही खरगे ने आगे कहा कि सरकार ने मनरेगा को खत्म कर गरीबों और मजदूरों के हक पर हमला किया है। हम बजट सत्र में इस फैसले के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ेंगे। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को सरकार पर बड़ा आरोप भी लगाया।

मनरेगा को लेकर राहुल गांधी का सरकार पर हमला, कहा– गरीबों से काम का अधिकार छीनना चाहती है भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर निशाना साधा है। मनरेगा बचाओ मोर्चा अभियान में उन्होंने कहा कि मनरेगा के तहत गरीब लोगों को काम करने का अधिकार मिला था, लेकिन अब भाजपा इस योजना को खत्म करना चाहती है। राहुल गांधी ने मनरेगा के मुद्दे पर सरकार की तुलना कृषि कानूनों से की।

उन्होंने कहा कि सरकार मजदूरों के साथ वही करना चाहती है, जो उसने 'तीन काले कृषि कानूनों' के जरिए किसानों के साथ किया था। उन्होंने कहा कुछ साल पहले भाजपा ने किसानों पर आक्रमण किया था, लेकिन किसानों और हम सबने नरेंद्र मोदी पर दबाव डाल कर उसे रोक दिया। अब उसी तरह का हमला मजदूरों पर करने की कोशिश हो रही है। राहुल ने कहा भाजपा एक ऐसा भारत बनाना चाहती है, जहां सिर्फ एक राजा ही सब कुछ तय करे।

राहुल गांधी ने किया दावा

दिल्ली की केंद्र सरकार निर्णय लेगी कि किस राज्य को कितना पैसा भेजा जाएगा। भाजपा शासित राज्य में ज्यादा पैसा जाएगा और विपक्ष शासित राज्य में कम पैसा जाएगा। केंद्र सरकार ही तय करेगी कि कब कहां काम होगा, किसको कितनी मजदूरी मिलेगी। जो अधिकार मजदूरों को मिलते थे, अब वह ठेकेदारों को मिलेंगे। भाजपा की विचारधारा है कि देश का धन, संपत्ति चुने हुए हाथों में हो और वही लोग इस देश को चलाएं। भाजपा चाहती है कि देश का पूरा धन अमीरों के हाथ में चला जाए, ताकि गरीब, दलित और आदिवासी लोग उनपर निर्भर हो जाएं और उनकी बात मानें।

राहुल बोले भाजपा डरपोक

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आगे कहा कि भाजपा चाहती है कि देश से लोकतंत्र, संविधान और एक व्यक्ति-एक वोट का अवधारणा खत्म हो जाए। ये लोग आजादी से पहले वाला हिंदुस्तान फिर से लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा भाजपा वाले डरपोक लोग हैं, इन्हें रोकने के लिए हमें एक साथ खड़ा होना होगा। जिस दिन हम सभी साथ आ गए, उस दिन नरेंद्र मोदी को पीछे हटना पड़ेगा और मनरेगा फिर से बहाल हो जाएगा।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश की विभिन्न जेलों में 14 वर्ष या अधिक समय से निरुद्ध बंदियों का विवरण मांगा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने प्रदेश सरकार से उन बंदियों का विवरण मांगा है जो प्रदेश की विभिन्न जेलों में 14 वर्ष या इससे अधिक समय से बंद हैं। पीठ ने ऐसे बंदियों द्वारा कानून के मुताबिक सजा माफ करने के लिए किए गए आवेदनों का भी विवरण मांगा है।

पीठ ने सरकार से ऐसे आवेदनों का आंकड़ा मांगा है जिन पर संबंधित अधिकारियों द्वारा 14 साल से जेल में बंद बंदियों की सजा माफी पर विचार किया जा रहा है। न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति एके चौधरी की पीठ ने 2020 में बीके सिंह परमार नाम के व्यक्ति द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मंगलवार को यह आदेश पारित किया और सुनवाई की अगली तिथि 23 फरवरी निर्धारित की।

याचिका में कहा गया है कि कानूनी प्रावधानों के मुताबिक, 14 वर्षों से जेल में निरुद्ध प्रत्येक बंदी के अच्छे आचरण के आधार पर उसकी सजा माफी पर समय से पहले उसकी रिहाई पर विचार किए जाने का उसका अधिकार है और जैसे ही बंदी जेल में 14 वर्ष पूरे कर लेता है, प्रत्येक बंदी के मामले पर विचार करना जेल अधिकारियों का कानूनी दायित्व है।

याचिकाकर्ता ने कहा कि जेल के अधिकारी अपने कानूनी दायित्व का निर्वहन नहीं कर रहे हैं। जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पीठ ने कहा, "यह याचिका जेल अधिकारियों द्वारा कानूनी दायित्वों का निर्वहन नहीं करने का महत्वपूर्ण मुद्दा उठाती है।"

दिल्ली शहर में वायु गुणवत्ता ' बहुत खराब '

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में वायु गुणवत्ता बृहस्पतिवार को 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज की गई और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 313 रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने यह जानकारी दी।

राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के औसत तापमान से 1.2 डिग्री सेल्सियस कम है जबकि अधिकतम तापमान के करीब 25 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

पालम में न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के औसत तापमान से 1.3 डिग्री सेल्सियस कम है जबकि लोधी रोड में यह 6.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो औसत तापमान से 1.3 डिग्री सेल्सियस नीचे है। रिज स्टेशन ने 9.2 डिग्री सेल्सियस का न्यूनतम तापमान दर्ज किया जो सामान्य तापमान से 0.8 डिग्री सेल्सियस कम है जबकि आयानगर में यह 7.3 डिग्री सेल्सियस रहा जो इस मौसम के औसत तापमान से 1.1 डिग्री सेल्सियस कम है। सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्ष आर्द्रता 100 प्रतिशत रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बृहस्पतिवार को मध्यम कोहरा रहने और शुक्रवार को गरज के साथ बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। सीपीसीबी के अनुसार, एक्यूआई को शून्य से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

किया था नौकरी का वादा, पर बना लिया गुलाम... ओवैसी की जयशंकर से अपील, म्यांमार-थाईलैंड बॉर्डर पर कैद भारतीयों को बचाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी म्यांमार-थाईलैंड बॉर्डर पर कैद भारतीयों को लेकर चिंता जाहिर की है। उन्होंने विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। ओवैसी ने ट्वीट कर कहा, मुझे एक परेशान करने वाला मैसेज मिला है। म्यांमार-थाईलैंड बॉर्डर पर कम से कम 16 भारतीय कैद हैं। इनमें हैदराबाद के तीन लोग शामिल हैं। उनसे थाईलैंड में नौकरी का वादा किया गया था, लेकिन उन्हें गुलाम बना लिया गया। उन्हें रोज 18-20 घंटे काम करने के लिए मजबूर किया जाता है।

शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है और उनके पासपोर्ट, फोन और मेडिकल सुविधाओं से वंचित रखा गया है। ओवैसी ने विदेश मंत्री को टैग करते हुए कहा कि कृपया सभी भारतीयों को बचाने के लिए तुरंत हस्तक्षेप करें। यह जानकारी हैदराबाद के उस्मान नगर के रहने वाले मीर सज्जाद अली से मिली है, जो अभी म्यांमार-थाईलैंड बॉर्डर पर कैद हैं। उनके साथ दो अन्य लोग मौला अली और बंजारा हिल्स के हैं।

डोडा में भीषण सड़क हादसा, गहरी खाई में गिरा सेना का ट्रक, 10 वीर जवानों ने गंवाई जान, 9 घायल

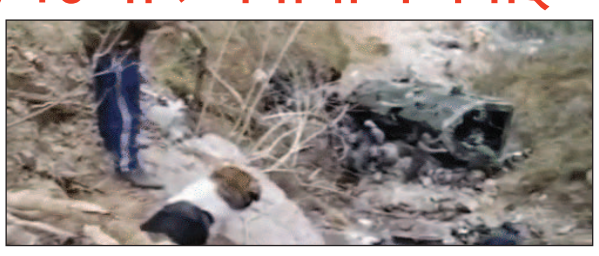

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले से एक बहुत ही दुखद समाचार सामने आया है। बृहस्पतिवार को भारतीय सेना का एक वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। इस भीषण दुर्घटना में 10 जवानों की मौत हो गई है, जबकि 9 अन्य जवान घायल बताए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा भद्रवाह-चंबा अंतरराज्यीय मार्ग पर खन्नी टॉप के पास हुआ। सेना का वाहन नियमित आवाजाही के दौरान पहाड़ी रास्ते पर अचानक सड़क से फिसल गया और सीधे गहरी खाई में जा गिरा।

सेना के वाहन में कुल 17 जवान सवार थे

अधिकारियों ने बताया कि बुलेट-प्रूफ सेना का वाहन, जिसमें कुल 17 जवान सवार थे, एक ऊँची पोस्ट की ओर जा रहा था, तभी ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और वाहन 200 फुट गहरी खाई में गिर गया। सेना और पुलिस द्वारा तुरंत एक संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया गया और अधिकारियों ने बताया कि चार जवानों के शव मिले।

नौ जवानों को घायल हालत में बचाया गया

उन्होंने बताया कि नौ अन्य जवानों को घायल हालत में बचाया गया और उनमें से तीन, जिन्हें गंभीर चोटें आई हैं, उन्हें विशेष इलाज के लिए उधमपुर सैन्य अस्पताल में एयरलिफ्ट किया गया

एलजी मनोज सिन्हा ने गहरी संवेदना व्यक्त की

एलजी मनोज सिन्हा ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, 'डोडा में एक दुर्भाग्यपूर्ण सड़क दुर्घटना में हमारे 10 बहादुर भारतीय सेना के जवानों की जान जाने से गहरा दुख हुआ। हम अपने बहादुर सैनिकों की उत्कृष्ट सेवा और सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखेंगे। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।' उन्होंने आगे कहा, 'इस गहरे दुख की घड़ी में, पूरा देश शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता और समर्थन में खड़ा है। 10 घायल जवानों को अस्पताल में एयरलिफ्ट किया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों को सर्वोत्तम संभव इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।' देश के लिए बड़ी क्षतिः दुर्गम क्षेत्रों में देश की रक्षा में तैनात इन वीर जवानों की शहादत पर पूरा देश शोक व्यक्त कर रहा है। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, खराब मौसम या फिसलन भरे रास्ते को हादसे का कारण माना जा रहा है।

झारखंड में नक्सलियों पर सर्जिकल स्ट्राइक! चाईबासा मुठभेड़ में 15 नक्सली ढेर

नई दिल्ली, एजेंसी। झारखंड के चाईबासा जिले में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के खिलाफ अब तक के सबसे बड़े अभियानों में से एक को अंजाम दिया है। झारखंड पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) की संयुक्त कार्रवाई में 15 नक्सली मारे गए हैं। इस मुठभेड़ की सबसे बड़ी सफलता 1 करोड़ रुपये के इनामी नक्सली अनल दा का खात्मा है। यह मुठभेड़ चाईबासा के घने जंगल इलाके में हुई, जब सुरक्षा बलों ने नक्सलियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर तलाशी अभियान शुरू किया। ऑपरेशन के दौरान, नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में सुरक्षा बलों ने भी भारी जवाबी फायरिंग की।

अधिकारियों के अनुसार, गोलीबारी में 15 नक्सली मारे गए। बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद होने की आशंका है। इलाके में अभी भी तलाशी अभियान जारी है और सुरक्षा बलों ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है ताकि कोई भी नक्सली भाग न सके।

घेराबंदी और तलाशी अभियान जारी

अधिकारियों के मुताबिक, मुठभेड़ के बाद पूरे इलाके की घेराबंदी (Cordon off) कर दी गई है। सुरक्षा बलों को अंदेशा है कि कुछ और नक्सली घायल अवस्था में जंगल के भीतर छिपे हो सकते हैं। चाईबासा के इन घने जंगलों में अभी भी सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है ताकि किसी भी नक्सली को भागने का मौका न मिले।

सुरक्षा बलों की बड़ी जीत

झारखंड में नक्सलवाद की कमर तोड़ने की दिशा में इसे एक ऐतिहासिक सफलता माना जा रहा है। अनल दा जैसे बड़े कमांडर का मारा जाना नक्सली संगठन के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

बंगाल के बाद अब यूपी में भी एसआईआर में 'सामान्य निवास प्रमाणपत्र' मान्य नहीं, वोटर्स की बढ़ी मुश्किलें

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) में निवास पत्र को लेकर आपत्ति के बाद अब यूपी में भी चुनाव आयोग की ओर से सामान्य निवास प्रमाणपत्र को स्वीकार नहीं किया जा रहा है। इससे मतदाताओं की मुश्किलें बढ़ गई हैं, हालांकि पश्चिम बंगाल में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट का प्रकाशन हो गया है और अब सुनवाई का दौर चल रहा है, लेकिन इसके विपरीत उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान अब अंतिम दौर मे है। 6 फरवरी को वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट का प्रकाशन होगा।

उससे पहले छूटे हुए नामों को वोटर लिस्ट में शामिल करने के लिए एक महीने का समय दिया गया था। लेकिन अभी छूटे हुए कुल मतदाताओं का लगभग 25 फीसदी की आवेदन वोटर लिस्ट शामिल के करने के लिए फॉर्म 6 आ पाया है। लेकिन अब इसी से जुड़ी एक बड़ी खबर आ रही है। जिन मतदाताओं ने 2003 की मैपिंग से मिलान नहीं किया था और निवास प्रमाण पत्र के तौर पर अपना नाम शामिल करने का दावा किया था। आयोग ने उसे खारिज कर दिया है। आयोग का कहना है कि SIR में सामान्य निवास प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे।

'सामान्य निवास प्रमाणपत्र' को चुनाव आयोग ने किया खारिज

इस प्रक्रिया में जिन मतदाताओं की मैपिंग 2003 की मतदाता सूची से नहीं हो पाई, उन्हें नोटिस भेजे जा रहे हैं। ऐसे मामलों में निवास प्रमाण के लिए प्रस्तुत किए जा रहे 'सामान्य निवास प्रमाणपत्र' को चुनाव आयोग स्वीकार नहीं कर रहा है, जिससे पूरे प्रदेश में आम मतदाताओं में असमंजस और परेशानी बढ़ गई है।

प्रदेश के लगभग हर जिले में हजारों मतदाताओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। चुनाव आयोग ने SIR के तहत मैपिंग सत्यापन के लिए 13 मान्य दस्तावेजों की सूची जारी की है, जिसमें छठे नंबर पर सक्षम राज्य प्राधिकारी द्वारा जारी स्थायी निवास प्रमाण पत्र शामिल है, लेकिन उत्तर प्रदेश में अब तहसीलों और जिलों में केवल सामान्य निवास प्रमाणपत्र ही जारी किया जाता है।

चुनाव आयोग के कदम से मतदाताओं की बढ़ी मुश्किलें

यह प्रमाणपत्र प्रदेश सरकार की छात्रवृत्ति, पेंशन और अन्य सभी योजनाओं में पूरी तरह मान्य है। एक जिलाधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया राज्य सरकार ने पुरानी व्यवस्था बदल दी है। अब स्थायी या मूल निवास प्रमाणपत्र अलग से जारी नहीं होते। सभी कार्यों के लिए सामान्य निवास प्रमाणपत्र ही पर्याप्त हैं। कई लेखपालों ने भी पुष्टि की कि तहसील स्तर पर अब सिर्फ यही प्रमाणपत्र बनाया जाता है। अधिकारियों का कहना है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि स्थायी निवास प्रमाणपत्र ही मान्य होगा, उनके स्तर पर इसमें बदलाव संभव नहीं है।

जानें चुनाव आयोग ने क्या कहा

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा कि सामान्य निवास प्रमाणपत्र किसी स्थान पर मात्र 5-6 महीने रहने पर ही जारी हो जाता है। इससे SIR का मूल उद्देश्य पूरा नहीं होता जो लंबे समय से निवास कर रहे वास्तविक मतदाताओं की पहचान करना है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल मतदाताओं की मैपिंग के लिए जारी दस्तावेजों की सूची में स्थायी निवास प्रमाणपत्र है, सामान्य नहीं। इसलिए इसे मान्य नहीं किया जा सकता।

स्थायी निवास पत्र और सामान्य निवास पत्र में क्या अंतर

स्थायी निवास पत्र किसी प्रदेश की स्थायी नागरिकता का प्रमाण है। यह प्रमाणपत्र 15 साल तक राज्य में रहने और राज्य में भूमि होने पर मिलता है। इसे जारी किए जाने से पहले पुलिस जांच होती है। यह प्रमाणपत्र जीवन भर के लिए मान्य होता है, जबकि सामान्य निवास पत्र अस्थायी है। यह कुछ दिनों तक रहने पर भी मिल जाता है और यह अस्थायी होता है।

SIR में ये 13 दस्तावेज होंगे मान्य

चुनाव आयोग द्वारा जारी सूची के अनुसार निम्नलिखित दस्तावेज ही मैपिंग सत्यापन के लिए स्वीकार किए जाएंगे।

केंद्र-राज्य सरकार या सार्वजनिक उपक्रम के कर्मचारी-पेंशनभोगी का पहचान पत्र या पेंशन आदेश।
01.07.1987 से पहले जारी कोई भी सरकारी पहचान पत्र-अभिलेख।
सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र।
पासपोर्ट
मान्यता प्राप्त शिक्षा बोर्ड का मैट्रिकुलेशन या विश्वविद्यालय का शैक्षणिक प्रमाण पत्र।
सक्षम राज्य प्राधिकारी द्वारा जारी स्थायी निवास प्रमाण पत्र।
वन अधिकार प्रमाण पत्र।
ओबीसी-एससी-एसटी या जाति प्रमाण पत्र।
राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर।
परिवार रजिस्टर।
भूमि-मकान आवंटन प्रमाण पत्र।
आधार कार्ड आयोग के विशेष निर्देशों के अनुसार
बिहार SIR की मतदाता सूची का अंश 01.07.2025 के अनुसार

भारतीय किसान यूनियन ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन, 15 सूत्री मांग पत्र प्रशासन को सौंपा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिले में भारतीय किसान यूनियन (राष्ट्रीयता वादी अराजनैतिक) ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष गौरीशंकर पाण्डेय के नेतृत्व में किसानों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 15 सूत्रीय मांग पत्र प्रशासन को सौंपा। यूनियन ने बताया कि इससे पहले 3 जनवरी 2025 और 22 दिसंबर 2025 को भी मांग पत्र दिए गए थे। किसानों का आरोप है कि इन पर गहनता से विचार-विमर्श के बावजूद अब तक किसी भी विभाग ने न तो समस्याओं का समाधान किया है और न ही सक्षम अधिकारियों से कोई बातचीत हुई है। इससे किसानों में भारी आक्रोश है।किसान पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सर्वसम्मति से निर्णय

लिया है कि यदि 10 जनवरी तक दिए गए मांग पत्रों पर कार्रवाई नहीं होती है, तो यूनियन 11 फरवरी को धरना-प्रदर्शन करेगी। इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। सौंपे गए मांग पत्र में कई प्रमुख मुद्दे उठाए गए हैं। इनमें लम्भुआ तहसील के ग्राम सभा रघुनाथपुर (बधा) में गौतम बस्ती के रास्ते की समस्या का समाधान करने के लिए पैमाइश कराकर रास्ता खुलवाने की मांग शामिल है। इसके अतिरिक्त, लम्भुआ तहसील के नगर पंचायत कोइरीपुर (विवेक नगर) में रमेश चंद्र भूने की भूमि पर ठेकेदार द्वारा जबरन पानी की टंकी का निर्माण कराए जाने का आरोप है। किसानों ने ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई और तत्काल निर्माण कार्य रुकवाने की मांग की। कोइरीपुर (विवेक नगर) में ही रमेश भूने की गाटा संख्या 577 पर जबरन इंटरलिंकिंग नाली निर्माण का मुद्दा भी उठाया गया। यूनियन ने पैमाइश करवाकर दोषी कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई और जमीन को उसकी मूल स्थिति में बहाल करने की मांग की है। अन्य मांगों में लम्भुआ तहसील के ग्राम सभा मैत्रीकला में बलियान गाटा संख्या 120 पर हुए अतिक्रमण को टीम गठित कर चिन्हित करते हुए हटवाने की मांग की गई। साथ ही, ककुभी के ग्राम सभा नसडे में दबंगों द्वारा सार्वजनिक रास्ते (गाटा संख्या 650) पर किए गए अतिक्रमण को हटवाकर लोगों के आवागमन को सुचारु करने की मांग भी शामिल है।

अंकुरण परिवार ने एक बार फिर निभाया पुत्र धर्म,

सुल्तानपुर। अंकुरण परिवार के द्वारा आज 59वें लावारिश शव का दाह संस्कार हिन्दू रीति रिवाज के साथ हथियानाला पर किया गया । अंकुरण परिवार के पास आज कोतवाली सुल्तानपुर से सूचना आई कि एक 26 से 30 वर्ष के व्यक्ति की मृत्यु तीन दिन पहले ही आजाद पार्क के पास हो गई थी। प्रशासन के द्वारा कोशिश करने के बावजूद मृतक के परिवार वालों का पता नही चल पाया,2 दिन बाद आज उनका पोस्टमार्टम हुआ। इतनी जानकारी मिलने पर अंकुरण परिवार के सदस्यों ने उनके अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी ली वृहस्पतिवार सायं 4 बजे हथियानाला पर हिन्दू रीति-रिवाज के पश्चात मृतक का दाह संस्कार किया गया व पूर्व की भांति मृतक को मुखाग्नि संस्था के मोहम्मद आरिफ खान एवं डॉ आशुतोष श्रीवास्तव ने दी,अंकुरण परिवार की तरफ से मनीष राज ,चंदन देव शुक्ला उपस्थित होकर मृतक की आत्मा हेतु शांति प्रार्थना की।

गोमती नदी में मिला अज्ञात शव, नहीं हो सकी शिनाख्त

आर्यावर्त संवाददाता

जयसिंहपुर/सुल्तानपुर। गोसाईगंज थाना क्षेत्र से गुजरने वाली गोमती नदी में गुरुवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। पुलिस ने गोताखोरों की सहायता से शव को नदी से बाहर निकाला और शिनाख्त के लिए मर्चरी में रखवाया है। यह घटना गुरुवार सुबह करीब 10 बजे टांटियानगर स्थित गोमती पुल के पास सामने आई। स्थानीय लोगों ने नदी में शव तैरता देख पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर गोसाईगंज पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। मृतक की अनुमानित आयु लगभग 35 वर्ष है। उसके शरीर पर काला जैकेट, सफेद पैंट और स्वेटर था, तथा गले में हनुमानजी का लॉकेट भी मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की शिनाख्त के प्रयास लगातार जारी हैं, हालांकि

समाचार लिखे जाने तक उसकी पहचान नहीं हो पाई थी।गोसाईगंज थाना प्रभारी राम आशीष उपाध्याय ने बताया कि बरामद शव की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। पहचान होने पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी को लापता व्यक्ति से संबंधित कोई जानकारी या पहचान हो तो गोसाईगंज पुलिस के सीयूजी नंबर 9454404334 पर तत्काल संपर्क करें।

बहराइच में तड़तड़ाईं पुलिस की गोलियां...3 गौ तस्करों को मुठभेड़ में दबोचा, एक के पैर में लगी गोली

आर्यावर्त संवाददाता

बहराइच। जरवलरोड इलाके के मुड़ियाडीह में गुरुवार को पुलिस और गौ तस्करों में मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली लगने से एक तस्कर घायल हो गया। मौके से घायल समेत तीन तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

एक युवक अंधेरे का लाभ उठाकर मौके से फरार हो गया है। पकड़े गये आरोपितों में दो गोंडा जिले के रहने वाले हैं। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जरवल रोड थानाध्यक्ष संतोष सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी कि मुड़ियाडीह जंगल में कुछ लोग गौवंश का वध कर मांस ले जा रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेकर वरिष्ठ उप निरीक्षक बिंदेश्वरी प्रसाद, उप निरीक्षक दिनेश कुशवाहा और आरक्षी शुभांशु, रामसागर, रणजीत सिंह व राजीव यादव की टीम गठित कर जंगल में पहुंचे।

मौके पर चार लोग कटे हुए जानवर के मांस, बांका और रस्सी के साथ दिखाई दिए। पुलिस ने रुकने को कहा तो वह भागने लगे। पीछा करने पर पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गौ तस्कर जाफर निवासी मुड़ियाडीह के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया।

पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर घायल समेत हकीम व रिजवान निवासी कटरा बाजार जिला गोंडा को गिरफ्तार कर लिया। एक तस्कर मौके से भागने में सफल रहा। जानकारी पोर अपर पुलिस अधीक्षक नगर अशोक सिंह व सीओ कैसरगंज डीके श्रीवास्तव ने घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने मौके से 315 बोर का अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, बांका और गौवंश का मांस बरामद किया है। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास भी बताया जा रहा है।

बाबा बर्फीनी परिवार ने किया दुख दूरिया पूजन, बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लिया भाग

गोसाईगंज/सुल्तानपुर। बाबा बर्फीनी परिवार द्वारा दुख दूरिया पूजन और भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। इस कार्यक्रम में संतोष मोदनवाल, राकेश सोनी, आशीष मोदनवाल, रवि, आलोक, विमलेश तिवारी, अखिलेश तिवारी, मुकेश तिवारी, अशोक सिंह, रामानुज पाण्डेय, ओम प्रकाश पाण्डेय और राजेंद्र यादव सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सामाजिक और धार्मिक एकता का प्रतीक बताया। दुख दूरिया पूजन में 500 से अधिक महिलाओं की उपस्थिति दर्ज की गई। पूजा संपन्न होने के बाद भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। यह पूरा कार्यक्रम भक्तिपूर्ण और अनुशासित ढंग से संपन्न हुआ।

मंजूरी फूड कोर्ट की, खुदाई कर दी मॉल की... नोएडा के युवराज मेहता डेथ केस में खुली बिल्डर की एक और पोल

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-150 में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत जिस गहरी खाई में डूबने से हुई, वह महज एक हादसा नहीं बल्कि बिल्डर की अवैध प्लानिंग और लापरवाही का नतीजा है। जांच में सामने आया है कि बिल्डर ने स्पोर्ट्स सिटी की इस जमीन का उपयोग बदलने के लिए नोएडा प्राधिकरण को गुमराह किया था।

यह विवादित स्थल स्पोर्ट्स सिटी के प्लॉट नंबर-2 का उप-विभाजन (Sub-division) कर बनाया गया प्लॉट नंबर A-3 है। करीब 27,125 वर्ग मीटर की इस जमीन को नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने मंजूरी दी थी। स्पोर्ट्स सिटी के मूल लेआउट में इस जगह का उपयोग मुख्य रूप से 'वाणिज्यिक' (Commercial) और खेल सुविधाओं के लिए तय था।

'फूड कोर्ट के नाम पर शॉपिंग मॉल की तैयारी'

साल 2017 में, स्पोर्ट्स सिटी के लीड डेवलपर 'लोटस ग्रीन' से 'विज टाउन प्लानर्स' नामक कंपनी ने इस प्लॉट का उप-विभाजन करवाया। प्राधिकरण ने इस जमीन पर 'फूड एंड बेवरेज' (खाने-पीने की दुकानें) और 'प्रो-शॉप्स' (खेल सामग्री की दुकानें) बनाने का नक्शा पास किया था। बिल्डर ने नियमों को ताक पर रखकर यहां एक विशाल 'शॉपिंग कॉम्प्लेक्स' (मॉल) बनाने की तैयारी शुरू कर दी और इसके लिए बेसमेंट की गहरी खुदाई करवा दी।

प्राधिकरण ने 2022 में निरस्त किया था नक्शा

बिल्डर ने जब इस निर्माण को मॉल के रूप में वैध कराने के लिए संशोधित नक्शा प्राधिकरण को सौंपा, तो जुलाई 2022 में इसे निरस्त कर दिया गया। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि इस जमीन पर केवल प्रो-शॉप्स और फूड कोर्ट की अनुमति है, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की नहीं। नक्शा खारिज होने के बाद बिल्डर ने काम तो रोक दिया, लेकिन गहरी खुदाई को वैसे ही असुरक्षित छोड़ दिया, जिसमें आज बारिश का पानी भरने से युवराज की जान चली गई।

नियमों का उल्लंघन और FAR का खेल

नोएडा प्राधिकरण के दस्तावेजों के अनुसार, इस प्लॉट का कुल FAR (Floor Area Ratio) 5,136 वर्ग मीटर वाणिज्यिक और 26,189 वर्ग मीटर प्रो-शॉप्स/फूड कोर्ट के लिए निर्धारित है। स्वीकृत लेआउट में कमर्शियल ब्लॉक और प्रो-शॉप्स को अलग-अलग दिखाया गया है। इसके विपरीत, बिल्डर पूरे प्लॉट पर एक ही बड़ा कमर्शियल निर्माण (मॉल) करना चाहता था, जिसे प्राधिकरण ने अवैध माना। हालांकि, देखा जाए तो नोएडा अथॉरिटी को भी इस पर समय रहते संज्ञान लेना चाहिए था। और गड्ढे को भरवा देना चाहिए था।

प्रयागराज के माघ मेले में बटुकों की पिटाई का फर्जी फोटो शेयर करना पड़ा भारी, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के स्नान को लेकर चल रहे विवाद के बीच इंटरनेट मीडिया पर बटुकों की पिटाई का फर्जी फोटो बनाकर प्रसारित किया गया है। इसका पुलिस ने खंडन करते फर्जी फोटो शेयर करने के आरोपित मेजा निवासी मुकेश को गिरफ्तार कर लिया है।

उसके पास से एप्पल का मोबाइल बरामद किया गया है। पुलिस का कहना है कि फेसबुक पर दीपक मुकेश तिवारी मेजा एट इलाहाबाद के नाम से बनाई गई प्रोफाइल के जरिए एक फर्जी फोटो पोस्ट की गई। इसमें पुलिस को बटुक की चोटी खींचते हुए दिखाया गया है, जिसे एआई से बनाया गया था।

इस आधार पर मेजा थाने में मुकदमा लिखा गया। पुलिस

अधिकारियों का कहना है कि माघ मेला-2026 के आयोजन के दृष्टिगत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित की जा रही भ्रामक सूचनाओं एवं वीडियो सामग्री पर साइबर क्राइम थाना कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा सतत एवं कड़ी निगरानी की जा रही है।

इसी क्रम में आमजनमानस एवं सोशल मीडिया के माध्यम से संज्ञान में आया है कि प्रयागराज में माघ मेला-2026 जैसे अत्यन्त पवित्र, धार्मिक एवं राष्ट्रीय महत्व के आयोजन में फेसबुक प्रोफाइल Deepak Mukesh Tiwari द्वारा AI जनरेटेड तथ्यविहीन, भ्रामक पोस्ट को प्रसारित किया गया है। इस भ्रामक पोस्ट से माघ मेला-2026 की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया है। साथ ही साथ उसमें दिखाए गए नाकारात्मक चित्रण से समाज में आक्रोश, डर, वैमनस्य पैदा करने का प्रयास किया गया है, जिससे शांति व्यवस्था भंग होने की प्रबल सम्भावना है, जिसके सम्बन्ध में साइबर क्राइम थाना में मुकदमा दर्ज किया गया। इसके बाद कार्रवाई की गई।

आम जनमानस से अपील

कमिश्नरेट प्रयागराज की पुलिस यह स्पष्ट करती है कि- माघ मेला-2026 से संबंधित किसी भी प्रकार की भ्रामक, अपुष्ट या पुराने वीडियो/सूचना को सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं करे अन्यथा भविष्य में यदि कोई व्यक्ति अथवा सोशल मीडिया अकाउंट जानबूझकर भ्रामक कंटेंट प्रसारित करता पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज माघ मेला-2026 आयोजन के संबंध में साइबर सेल तथा साइबर थाना लगातार साइबर स्पेस , सोशल मीडिया पर सतत निगरानी रख रहा है तथा माघ मेला-2026 से संबंधित किसी भी साइबर अपराध पर कठोर कार्यवाही की जायेगी।

साइबर अपराध के प्रति जागरुगता ही बचाव है। साइबर अपराध के शिकार होने पर तत्काल 1930 पर आनलाइन शिकायत करे अथवा www.cybercrime.gov.in पर शिकायत पंजीकत करें। या अपने नजदीकी थाने की साइबर हेल्प डेस्क पर पहुँच कर लिखित शिकायत करें।

पार्किंग स्थल के बाहर वाहन खड़े किए तो अब कटेगा चालान- बार अध्यक्ष

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। अधिवक्ताओं व वादकारियों को बार की तरफ से निर्धारित वाहन पार्किंग स्थल उपलब्ध कराने के बाद भी कई अधिवक्ता व वादकारी बार-बार कहने के बाद भी गलत तरीके से वाहन पार्क कर रहें है, जिससे सीताकुंड रोड व न्यायालय के दक्षिणी तरफ स्थित रोड पूर्ण तरीके से जाममुक्त नहीं हो पा रहा है। नया पार्किंग स्थल निर्धारित होने की वजह से बार अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह व महासचिव दिनेश कुमार दूबे लगातार अपनी टीम के साथ अधिवक्ताओ व वादकारियों को इसके प्रति सचेत भी कर रहे है,लेकिन कई अधिवक्ता व वादकारी निर्धारित पार्किंग स्थल के बाहर वाहन खड़ा कर रहे है,जिससे अन्य लोगो को भी गलत से वाहन खड़ा करने का बढ़ावा मिल रहा है। सीताकुंड रोड व कोर्ट के दक्षिण तरफ स्थित रोड के किनारे निर्धारित स्थल के बाहर वाहन पार्क करने की वजह से पार्किंग स्थल का उद्देश्य विफल हो रहा है एवं आवागमन बाधित हो रहा है। इस स्थिति पर संज्ञान लेते हुए बार अध्यक्ष ने बुधवार को चेतावनी देते हुए साफ तौर पर कहा कि बृहस्पतिवार से निर्धारित पार्किंग स्थल के बाहर वाहन खड़े करने पर चालान काटने की कार्यवाही शुरू कराई जाएगी। उन्होंने अधिवक्ताओ व वादकारियों से निर्धारित पार्किंग स्थल पर वाहन खड़ा करने के लिए आग्रह किया है,ऐसा नहीं करने पर बार की तरफ से किसी प्रकार की कार्यवाही कराए जाने पर गलती करने वालो को स्वयं जिम्मेदार होने की चेतावनी दी गई है। गौरतलब है कि गत 16 जनवरी से अधिवक्ताओ व वादकारियों के लिए नगरपालिका परिषद की तरफ से पार्किंग स्थल सुपुर्द किया जा चुका है।

योगी सरकार के पौने नौ साल: उत्तर प्रदेश बना देश का सबसे बड़ा निवेश गंतव्य

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने बीते पौने नौ वर्षों में विकास की ऐसी यात्रा तय की है, जो वर्ष 2017 से पहले कल्पना से परे मानी जाती थी। कभी निवेशकों के लिए अविश्वसनीय समझा जाने वाला उत्तर प्रदेश आज देश का सबसे बड़ा निवेश गंतव्य बन चुका है। वर्ष 2018 की पहली इन्वेस्टर्स समिट से लेकर 2023 की ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट तक योगी सरकार ने निवेश को केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि ग्राउंड ब्रेकिंग और प्रभावी क्रियान्वयन के मॉडल के जरिए उसे धरातल पर उतारा।प्रदेश में अब तक 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली 16 हजार से ज्यादा परियोजनाओं का शिलान्यास हो चुका है। इनमें से हजारों परियोजनाएं व्यावसायिक रूप से संचालित हो चुकी हैं, जिससे लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं। प्रधानमंत्री गति शक्ति मास्टर प्लान, डिफेंस कॉरिडोर, सेमीकंडक्टर नीति, आईटी-आईटीईएस, डेटा सेंटर और इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में किए गए सुनियोजित प्रयासों ने उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य की छवि से बाहर निकालकर भारत के औद्योगिक विकास का अग्रणी राज्य बना दिया है। बेहतर कानून-व्यवस्था, पारदर्शिता और समयबद्ध निर्णयों के साथ यह स्पष्ट हुआ है कि उत्तर प्रदेश अब संभावनाओं को परिणाम में बदलने वाला राज्य है।वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की पहचान कमजोर कानून-व्यवस्था, निवेशकों की उदासीनता और अधूरी परियोजनाओं से जुड़ी थी। उद्योग स्थापित करने में वर्षों लग जाते थे, फाइलें दफ्तरों में अटकी रहती थीं और रोजगार की तलाश में युवाओं को प्रदेश से बाहर जाना पड़ता था। इंफ्रास्ट्रक्चर, एक्सप्रेसवे, औद्योगिक पार्क और आधुनिक लॉजिस्टिक्स की कमी ने राज्य की अर्थव्यवस्था को सीमित कर रखा था। सत्ता संभालते ही योगी आदित्यनाथ ने कानून-व्यवस्था, पारदर्शिता और सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, इन्वेस्ट यूपी और निवेश सारथी जैसे प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से निवेशकों का भरोसा बहाल किया गया। वर्ष 2018 की इन्वेस्टर्स समिट से शुरू हुई यह यात्रा 2023 की ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट तक 45 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों तक पहुंची और यह क्रम लगातार जारी है।योगी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि निवेश केवल एमओयू तक सीमित नहीं रहा। चार ग्राउंड ब्रेकिंग समारोहों के माध्यम से 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली 16 हजार से ज्यादा परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। इनमें से 8,300 से अधिक परियोजनाएं व्यावसायिक रूप से संचालित हो चुकी हैं। औद्योगिक नीति के तहत सेमीकंडक्टर, टेक्सटाइल, लेदर, फूड प्रोसेसिंग, प्लास्टिक, परफ्यूम, फार्मा और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे विविध क्षेत्रों को समान रूप से बढ़ावा दिया गया। पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क, मेगा लेदर क्लस्टर, फूड पार्क और फ्लैटेड फैक्ट्री मॉडल ने छोटे और मध्यम निवेशकों को भी औद्योगिक विकास से जोड़ा। आज देश के 65 प्रतिशत से अधिक मोबाइल फोन उत्तर प्रदेश में निर्मित हो रहे हैं और लखनऊ तथा नोएडा जैसे शहर उभरते टेक हब के रूप में पहचान बना चुके हैं।प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के साथ उत्तर प्रदेश ने योजना, भूमि उपयोग और परियोजना क्रियान्वयन को एकीकृत किया। एक्सप्रेसवे आधारित औद्योगिक क्लस्टर, मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक्स हब, ट्रांस-गंगा सिटी और ग्रेटर नोएडा निवेश क्षेत्र ने राज्य को इंफ्रास्ट्रक्चर आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाया। जिला स्तर तक डेटा आधारित योजना आज उत्तर प्रदेश की नई पहचान बन चुकी है। डिफेंस कॉरिडोर, ब्रह्मोस इंटीग्रेशन सुविधा और डिफेंस क्षेत्र की मेगा यूनिट्स ने राज्य को राष्ट्रीय सुरक्षा उत्पादन का अहम केंद्र बनाया है। वहीं डेटा सेंटर नीति, आईटी-आईटीईएस विस्तार और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के माध्यम से उत्तर प्रदेश डिजिटल और नॉलेज इकॉनमी के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है।बुंदेलखंड, पूर्वांचल और तराई क्षेत्रों में औद्योगिक पार्कों की स्थापना यह दर्शाती है कि योगी सरकार का विकास मॉडल केवल पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं है।

एडाप्ट हेरिटेज पॉलिसी के तहत दूसरे चरण में 10 और स्मारकों के लिए स्मारक मित्र चयन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा संचालित एडाप्ट हेरिटेज पॉलिसी के अंतर्गत राज्य के मंदिरों और ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। इस पॉलिसी के पहले चरण के बाद अब दूसरे चरण में भी 10 अन्य स्मारकों के लिए स्मारक मित्रों का चयन किया गया है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।उन्होंने बताया कि एडाप्ट हेरिटेज पॉलिसी के तहत राज्य संरक्षित गोपीनाथ मंदिर वृन्दावन, पोत्राकुण्ड मथुरा, विगारा की गढ़ी झांसी, लक्ष्मी मंदिर झांसी, कुसुमवन सरोवर मथुरा, रसखान की समाधि मथुरा, बाल्मीकि आश्रम बिठूर, शिव मंदिर का तालाब मूरतगंज कौशाम्बी, टिकैतराय शिव मंदिर बिठूर, सारनाथ मंदिर, दरबाग मिर्जापुर, गोवर्धन मंदिर, लरवाक मिर्जापुर तथा गुरूधाम मंदिर वाराणसी के लिए स्मारक मित्रों का चयन किया गया है।पर्यटन मंत्री ने यह भी बताया कि इसी पॉलिसी के अंतर्गत कर्दमेश्वर महादेव मंदिर वाराणसी के लिए आशुतोष शुक्ला, राज्य संपादक दैनिक जागरण को स्मारक मित्र नामित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रदेश के प्राचीन और ऐतिहासिक स्थलों का संरक्षण करते हुए वहां आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है।जयवीर सिंह ने कहा कि इन प्रयासों से न केवल श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। इससे प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र को मजबूती मिलेगी और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के साथ-साथ उनका सतत विकास सुनिश्चित किया जा सकेगा।

बीकेटी में कंटेनर चालक की निर्मम हत्या का 24 घंटे में खुलासा, शराब के नशे में छेड़छाड़ बना हत्या की वजह, रिश्तेदार गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की उत्तरी जोन पुलिस ने थाना बक्शी का तालाब क्षेत्र में हुई कंटेनर चालक की हत्या की सनसनीखेज वारदात का 24 घंटे के भीतर सफल खुलासा कर दिया है। इंदौराबाग अंडरपास सर्विस लेन पर हुई इस ब्लाइंट मर्डर की घटना में मृतक के ही रिश्तेदार को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि शराब के नशे में की गई छेड़छाड़ से उपजे आक्रोश में इस जघन्य हत्या को अंजाम दिया गया।घटना 20 जनवरी 2026 की रात की है, जब पीआरवी के माध्यम से थाना बक्शी का तालाब पुलिस को सूचना मिली कि इंदौराबाग अंडरपास सर्विस लेन के किनारे खड़े एक कंटेनर में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची, जहां कंटेनर के केबिन में एक व्यक्ति अचेत अवस्था में मिला। उसे तुरंत 100 शैय्या अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान राममूर्ति पुत्र छोटेलाल निवासी ननसोहा, थाना रामकोट, जनपद सीतापुर के रूप में हुई। मृतक के पिता की तहरीर पर थाना बक्शी का तालाब में मुकदमा संख्या 025/2026 धारा 103(1) बीएनएस के अंतर्गत दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना पुलिस के साथ क्राइम और सर्विलांस टीम तथा डीसीपी उत्तरी को विवेचना में लगाया गया। पुलिस ने घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया, फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाए, इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस का सहारा लिया और 150 से अधिक सीसीटीवी फुटेज का गहन अवलोकन किया। साथ ही स्थानीय सूचना तंत्र को भी सक्रिय किया गया। तकनीकी साक्ष्यों और सूचनाओं के विश्लेषण के बाद पुलिस इस निष्कर्ष पर पहुंची कि हत्या मृतक के ही रिश्तेदार द्वारा की गई है।पुलिस को 22 जनवरी को सूचना मिली कि संदिग्ध आउटर रिंग किसान पथ की सर्विस लेन पर प्लाईवुड फैक्ट्री के पास रामपुर देवरई मार्ग पर मौजूद है। पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी की। पुलिस को देखकर आरोपी भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन सतर्कता के चलते उसे समय करीब 03:15 बजे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त ने अपना नाम सन्दीप कुमार पुत्र अमर पाल बताया, जो मूल रूप से धनीपुर, थाना खैराबाद, जनपद सीतापुर का निवासी है और वर्तमान में जानकीपुरम सेक्टर-8 में झुग्गी-झोपड़ी में रहकर ई-रिक्शा चलाता है। उसकी उम्र लगभग 25 वर्ष बताई गई है।पूछताछ में अभियुक्त ने हत्या की पूरी कहानी कबूल की। उसने बताया कि मृतक राममूर्ति उसका रिश्तेदार था और कंटेनर चालक के रूप में कार्य करता था। 19 जनवरी को मृतक ने उसे फोन कर बताया कि वह हरिद्वार से कंटेनर में मोटरसाइकिल लादकर गाजीपुर जा रहा है और इंदौराबाग देशी शराब ठेके के पास मिलने को कहा।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने अविमुक्तेश्वरानंद से की अपील : कहा– विरोध खत्म करें, जांच कर होगी कार्रवाई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने अविमुक्तेश्वरानंद को लेकर बयान दिया है। जिसमें उन्होंने कहा कि भगवान शंकराचार्य के चरणों में प्रणाम करता हूं और उनसे कहना चाहता हूं कि वह संगम स्नान करके अपना विरोध समाप्त करें। इसके अलावा मीडिया के सवाल पर डिप्टी सीएम ने यह भी आश्वासन दिया है कि उनके साथ हुई घटना की जांच की जायेगी और कार्रवाई होगी।

दरअसल, गुरुवार को डिप्टी सीएम आजमगढ़ पहुंचे थे। वहां पर वह कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। इस दौरान पत्रकारों ने उनसे सपा और अविमुक्तेश्वरानंद को लेकर सवाल किया। जिस पर उन्होंने अविमुक्तेश्वरानंद को प्रणाम करते हुये पूरे मामले की जांच कराने की बात कही है।

बता दें कि माघ मेले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को मौनी अमावस्या स्नान करने से मेला पुलिस और प्रशासन द्वारा कथित तौर पर रोके जाने को लेकर विवाद हुआ था। जिसके बाद यह मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आज उसी पर डिप्टी सीएम ने अविमुक्तेश्वरानंद से प्रणाम कर विवाद को खत्म करने की अपील की है।

सीएम योगी का बड़ा बयान : सनातन को खोखला कर रहे कालनेमी

गोरक्षपीठाधीश्वर व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोनीपत में कहा कि एक योगी, संत और संन्यासी के लिए धर्म और राष्ट्र से बढ़कर कुछ भी नहीं होता। उन्होंने कहा कि संन्यासी की कोई व्यक्तिगत संपत्ति नहीं होती, उसका धर्म ही उसकी संपत्ति और राष्ट्र ही उसका स्वाभिमान होता है। सोनीपत में आयोजित मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा समारोह एवं आठ महंतों के भव्य भंडारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सनातन धर्म की आड़ में उसे कमजोर करने की साजिशें रचने वाले कालनेमि तत्व समाज के लिए खतरा हैं। ऐसे लोगों से सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होने कहा कि धर्म के विरुद्ध आचरण करने वाले तत्व न केवल सामाजिक समरसता को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि राष्ट्र की एकता और सांस्कृतिक विरासत पर भी आघात करते हैं।

संक्षेप

किसान पथ ओवरब्रिज पर दर्दनाक सड़क हादसा, टायर बदलते समय पिकअप को ट्रक ने मारी टक्कर

लखनऊ। थाना सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र के ग्राम बरौना स्थित किसान पथ ओवरब्रिज पर बुधवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हो गई। टायर पंचर होने के कारण सड़क किनारे खड़ी एक पिकअप को पीछे से आ रहे अज्ञात ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार आज दिनांक 22 जनवरी 2026 को पीआरवी के माध्यम से पुलिस को सूचना मिली कि किसान पथ ओवरब्रिज पर पिकअप वाहन संख्या UP 32 LN 2925 दुर्घटनाग्रस्त हो गया है और उसमें सवार कुछ लोग घायल हैं। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा। मौके पर पिकअप वाहन क्षतिग्रस्त अवस्था में सड़क किनारे खड़ा मिला, जिसके पास तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़े थे।पुलिस द्वारा तत्काल एम्बुलेंस की सहायता से सभी घायलों को ट्रामा सेंटर, पीजीआई भेजा गया। इलाज के दौरान सुखई पुत्र स्वर्गीय राम प्रसाद, निवासी ग्राम नहरखेड़ा, थाना निगोहां, जनपद लखनऊ, उम्र लगभग 28 वर्ष की मृत्यु हो गई। अन्य दो घायलों कप्तान पुत्र शिवरतन, उम्र लगभग 35 वर्ष तथा अखिलेश उर्फ ऊदल पुत्र स्वर्गीय धनीराम, उम्र लगभग 27 वर्ष का इलाज अस्पताल में जारी है।घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शी व सूचनाकर्ता संजीव सिंह पुत्र सियाराम सिंह, निवासी ग्राम व पोस्ट अदरा, थाना बदोसराय, जनपद बाराबंकी ने बताया कि पिकअप वाहन का दाहिना टायर पंचर हो गया था।

मलिहाबाद में पिता की हत्या का सनसनीखेज खुलासा, नशे और प्रताड़ना से तंग आकर दो बेटों ने रची साजिश

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की उत्तरी जोन पुलिस ने थाना मलिहाबाद क्षेत्र में नहर की पटरी के पास मिले अज्ञात शव की गुत्थी को सुलझाते हुए एक सनसनीखेज हत्या का खुलासा किया है। क्राइम और सर्विलांस टीम डीसीपी उत्तरी तथा थाना मलिहाबाद की संयुक्त कार्रवाई में सामने आया कि मृतक की हत्या उसके ही दो बेटों ने की थी। पुलिस ने एक आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरे नाबालिग बेटे को संरक्षण में लेकर किशोर न्याय अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।घटना 21 जनवरी 2026 की है, जब थाना मलिहाबाद क्षेत्र के ग्राम खड़ता में नहर की पटरी के पास एक व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा होने की सूचना पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान कराई, जिसकी शिनाख्त अर्जुन पाल पुत्र डोरीलाल, उम्र करीब 50 वर्ष, निवासी ग्राम खड़ता, थाना मलिहाबाद के रूप में हुई। इस मामले में मृतक की पत्नी शिवरानी की तहरीर पर थाना मलिहाबाद में मुकदमा संख्या 011/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत अज्ञात के खिलाफ दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।जांच के दौरान स्थानीय सूचना तंत्र और एकत्र साक्ष्यों के आधार पर पुलिस को अहम सुराग मिले, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं बल्कि मृतक के अपने ही पुत्रों ने की है। इस संबंध में मृतक के बड़े भाई मुन्नूलाल पाल ने थाना मलिहाबाद में तहरीर देते हुए आरोप लगाया कि उसके भतीजों रुपलाल और उसके नाबालिग भाई ने अपने पिता अर्जुन पाल की हत्या की है। उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने शव का पंचायतनामा और अन्य कागजी कार्रवाई पूरी कर ग्रामवासियों और परिजनों की मौजूदगी में अंतिम संस्कार कराया।

उत्तर प्रदेश सरकार ने गंगा एक्सप्रेसवे निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपये स्वीकृत किए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे से गंगा एक्सप्रेसवे तक, जनपद हरदोई वाया फर्रूखाबाद में प्रस्तावित प्रवेश नियंत्रित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे के वृहद निर्माण कार्य के लिए 5 करोड़ रूपये की धनराशि स्वीकृत की है।इस संबंध में औद्योगिक विकास विभाग ने आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार स्वीकृत धनराशि को तात्कालिक आवश्यकताओं के अनुसार आहरित किया जाएगा और इसका उपयोग केवल उसी प्रयोजन के लिए किया जाएगा, जिसके लिए इसे स्वीकृत किया गया है।इस परियोजना के माध्यम से प्रदेश में सड़क परिवहन नेटवर्क को और सुदृढ़ करने, गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य को तेजी से आगे बढ़ाने और यातायात सुगमता सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।

उत्तर प्रदेश दिवस 2026 : राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल पर गीत, संगीत और लोक कलाओं की समृद्ध प्रस्तुति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल पर प्रदेश की विकास यात्रा के साथ-साथ गीत, संगीत और लोक कला की विविध प्रस्तुतियों की झलक भी देखने को मिलेगी। इसके लिए संस्कृति विभाग ने पूरी तैयारी कर ली है। आयोजन में गांव से लेकर मण्डल स्तर तक सांस्कृतिक प्रतियोगिता में चयनित कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इसमें प्रदेश की प्राचीन और आधुनिक लोक कलाओं, शास्त्रीय वाद्ययंत्रों और नाट्य परंपराओं को प्रदर्शित किया जाएगा।संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि राज्य स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता "हमारी संस्कृति-हमारी पहचान" (संस्कृति उत्सव 2025-26) के चयनित प्रतिभागियों को प्रदेश की लोक एवं शास्त्रीय कलाओं को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मंच प्रदान किया जा रहा है। इस बहुस्तरीय आयोजन में 14-25 वर्ष आयु वर्ग के किशोर और युवा कलाकार गायन, वादन, शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, लोकनाट्य, सुगम संगीत, जनजातीय व लोक वाद्ययंत्र और काव्य पाठ जैसी विविध विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।प्रतिभागियों को 24 से 26 जनवरी 2026 के बीच लखनऊ के प्रेरणा स्थल में सम्मानित किया जाएगा और पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। यह आयोजन न केवल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करेगा, बल्कि नवोदित प्रतिभाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल है।अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य अमृत अभिजात ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में संस्कृति विभाग द्वारा यह प्रयास नई पीढ़ी के कलाकारों को प्रोत्साहित करने और उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मिशन शक्ति 5 .0 ने दिखाई नई दिशा, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा व सशक्तिकरण का संकल्प मजबूत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस की महत्वाकांक्षी पहल मिशन शक्ति के पांचवें चरण मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिला सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन को लेकर लगातार व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा गुरुवार 22 जनवरी 2026 को थाना मानकनगर क्षेत्र में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें महिलाओं और बच्चों को सुरक्षा, अधिकारों और डिजिटल सतर्कता के प्रति जागरूक किया गया।मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत थाना मानकनगर पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र के मां दुर्गा मंदिर परिसर में पहुंचकर बच्चों और स्थानीय लोगों से संवाद किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं की सुरक्षा, एंटी रोमियो अभियान, नारी स्वावलंबन, साइबर जागरूकता तथा महिला और बाल अपराधों से बचाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही आपात स्थिति में सहायता के लिए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों और डिजिटल प्लेटफॉर्म की उपयोगिता भी समझाई गई।पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशन में लखनऊ कमिश्नरेट के अंतर्गत जनपद के सभी 54 थानों पर मिशन शक्ति केंद्रों की स्थापना की जा चुकी है। इन केंद्रों पर महिला समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए निरीक्षक, अतिरिक्त निरीक्षक, उपनिरीक्षक और महिला उपनिरीक्षक की तैनाती की गई है, ताकि थानों पर आने वाली महिलाओं को त्वरित और संवेदनशील सहायता मिल सके।जागरूकता कार्यक्रम में महिला उपनिरीक्षक पूजी पाल, मिशन शक्ति प्रभारी थाना मानकनगर तथा महिला हेड कांस्टेबल गोमती देवी सहित पुलिस टीम की सक्रिय भूमिका रही। पुलिसकर्मियों ने बच्चों को बताया कि किसी भी आपात स्थिति में 1090 महिला पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 आपात सेवाएं, 1098 चाइल्डलाइन, 1076 टोल फ्री हेल्पलाइन, 108 एंबुलेंस सेवा, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन जैसे नंबरों का तुरंत उपयोग किया जा सकता है।

उन्नाव में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने दिवंगत युवा मोर्चा पदाधिकारी को दी श्रद्धांजलि, परिजनों को आर्थिक सहायता

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी गुरुवार को उन्नाव जनपद के बिछिया मंडल पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष रहे दिवंगत हैप्पी राजपूत के सड़क दुर्घटना में हुए असामयिक निधन पर उनके आवास जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रदेश अध्यक्ष ने दिवंगत हैप्पी राजपूत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और शोकसंतप्त परिजनों से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया।इस अवसर पर पंकज चौधरी ने कहा कि यह दुःख केवल परिवार का नहीं बल्कि पूरे भाजपा परिवार का है। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस कठिन समय में भारतीय जनता पार्टी पूरी संवेदनशीलता के साथ परिवार के साथ खड़ी है। प्रदेश अध्यक्ष ने संवेदना व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता भी प्रदान की।आर्थिक सहायता के अंतर्गत प्रदेश भाजपा संगठन की ओर से 5 लाख रुपये, जनप्रतिनिधियों की ओर से 5 लाख रुपये, प्रदेश भाजयुमो की ओर से 2 लाख रुपये तथा किसान दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई गई।मीडिया से बातचीत में पंकज चौधरी ने कहा कि हैप्पी राजपूत जैसे समर्पित, कर्मठ और ऊर्जावान कार्यकर्ता का असमय निधन संगठन के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने प्रत्येक कार्यकर्ता के साथ सुख-दुःख में परिवार की तरह खड़ी रहती है।इस मौके पर प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता और संजय राय, क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष भाजयुमो प्रांशुदत्त द्विवेदी, सांसद सच्चिदानंद हरि 'साक्षी महाराज', भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, विधायक श्रीकांत कटियार, अनिल सिंह, बृजेश रावत, आशुतोष शुक्ला, बंबा लाल दिवाकर, एमएलसी रामचंद्र सिंह प्रधान, मंडल अध्यक्ष सुनील साहू सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में सख्त तेवर : मंत्री ए .के . शर्मा ने रिश्वतखोरी पर दिखाई जीरो टॉलरेंस, दोषियों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने गुरुवार को लखनऊ स्थित अपने आवास पर जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित कर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान अतिक्रमण, नगरों की साफ-सफाई, पेयजल आपूर्ति, विद्युत कनेक्शन, बिजली बिल में त्रुटि सुधार समेत अनेक गंभीर मामलों को सामने रखा गया। मंत्री ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के स्पष्ट निर्देश दिए।मंत्री ए.के. शर्मा ने अधिकारियों को दो टूक चेतावनी दी कि आमजन को बुनियादी सुविधाओं के लिए अनावश्यक रूप से परेशान करना किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही या टालमटोल करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।जनसुनवाई के दौरान अमरोहा से आए मोहम्मद यूसा ने विद्युत कनेक्शन के लिए बार-बार परेशान किए जाने और रिश्वत मांगे जाने की शिकायत दर्ज कराई। इस प्रकरण को अत्यंत गंभीर मानते हुए मंत्री ए.के. शर्मा ने मौके पर ही पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक रविश गुप्ता से दूरभाष पर वार्ता की और कड़ी नाराजगी जताई। मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि रिश्वत मांगने वाले दोषी संविदा कर्मी को तत्काल सेवा से बाहर किया जाए और इस प्रकरण में संलिप्त नियमित कर्मचारियों को भी तत्काल निलंबित किया जाए। इसी क्रम में एक अन्य शिकायतकर्ता कमल सिंह भारती ने एस्टीमेट की पूरी राशि जमा करने के बावजूद विद्युत कनेक्शन न मिलने की समस्या रखी।

भारत की विदेश नीति का अमृतकाल!

भारत की विदेश नीति शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के सिद्धांत पर आधारित रही है। लेकिन आज स्थिति है कि दक्षिण एशिया में, जहां आबादी और भौगोलिक कारणों से भारत को दादा होना चाहिए था वहां भी कोई देश भारत की बात नहीं सुन रहा है। न किसी देश में भारत के लिए प्यार बचा है और न किसी के मन में भारत की चिंता या भय है। नेपाल इसकी मिसाल है। बड़ी मुश्किल से नेपाल ने भारत के दो सौ और पांच सौ रुपए की नोट रखने और स्वीकार करने की इजाजत दी है। उसने एक दशक से ज्यादा समय से भारत की एक सौ रुपए से ऊपर के मूल्य की मुद्राओं को स्वीकार करना बंद कर दिया था। अब भी एक सीमा लगाई गई कि कोई भी भारतीय या नेपाली नागरिक दो सौ या पांच सौ रुपए के नोट 25 हजार रुपए से ज्यादा नहीं रख सकता है।

नेपाल एक समय दुनिया का एकमात्र हिंदू राष्ट्र माना जाता था। भगवान शिव के द्वादश ज्योर्लिंगों में से एक पशुपतिनाथ का मंदिर काठमांडू में है। लोग तीर्थाटन करने से लेकर घूमने और व्यापार करने के लिए नेपाल जाते थे। बिहार व पूर्वी उत्तर प्रदेश के बड़े हिस्से के लोगों की रिश्तेदारियां नेपाल में हैं। दोनों तरफ शादियां होती रही हैं। लेकिन धीरे धीरे नेपाल कूटनीतिक, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से भारत से दूर हो गया है। नेपाल के लोगों में भारत के प्रति अविश्वास है। भारत के नेताओं के बयानों और सरकार के कई फैसलों ने लोगों को नाराज किया है। नेपाल में हिंदी फिल्मों का बहिष्कार होता है। भारत की मुद्रा का तिरस्कार होता है। लोग भारत विरोधी नारे लगाते हैं। सीमा के पास खेतों में काम करने वाले लोगों पर हमले होते हैं। नेपाल कालापानी और लिपूलेख जैसे भारत के इलाकों को अपना बताता है। चीन की कूटनीति नेपाल पर हावी है और भारत उससे दूर हो गया है। नेपाल के साथ भारत के संबंध कभी भी पहले जैसे होंगे इसमें अब संशय है। चीन की मदद से पाकिस्तान के लोगों की नेपाल में कद्र है लेकिन भारत के हिंदू बेगाने हो रहे हैं।

बांग्लादेश का निर्माण भारत ने कराया था। भारत की तत्कालीन सरकार ने मुक्ति वाहिनी की लड़ाई को हर तरह से मदद दी थी। पाकिस्तान की सेना ने भारत के सामने सरेंडर किया था और भारत ने सबसे पहले एक स्वतंत्र देश के तौर पर बांग्लादेश को मान्यता दी थी। लेकिन आज बांग्लादेश में सबसे ज्यादा नफरत भारत से है और हिंदुओं से है। आए दिन हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं। उनको देश छोड़ने या धर्म परिवर्तन के लिए बाध्य किया जा रहा है। नेपाल में चीन और पाकिस्तान का अड्डा बन रहा है। पाकिस्तान के ढाका स्थित उच्चायोग से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के अधिकारी भारत विरोधी साजिशें कर रहे हैं। कट्टरपंथी ताकतें मजबूत हो रही हैं और सीमा पर भारत की स्थिति कमजोर होती जा रही है।

कमोबेश यही हाल हर पड़ोसी के साथ है। चीन के साथ सीमा का विवाद है और घनघोर अविश्वास है। भारत एक तरह से चीन का आर्थिक उपनिवेश बन गया है फिर भी चीन की नजर भारत के अरुणाचल प्रदेश पर है। वह बांग्लादेश, पाकिस्तान, म्यांमार और श्रीलंका के जरिए भारत को घेरे हुए है। श्रीलंका के आर्थिक संकट में भारत ने सबसे पहले मदद की लेकिन श्रीलंका का झुकाव लगातार चीन की ओर है। म्यांमार की सैनिक तानाशाही चीन के असर में है। पाकिस्तान तो ऑपरेशन सिंदूर के बाद शेर हो गया है और दक्षिण एशिया के दादा की तरह बरताव कर रहा है। बांग्लादेश, नेपाल हर जगह उसके ठिकाने बन रहे हैं। ऐसे ही मालदीव भी चीन का मोहरा बना है। लगभग हर पड़ोसी के साथ भारत का सामरिक टकराव स्थाई होता है। मगर सत्ता के चश्मे से क्या दिख रहा है? भारत की विदेश नीति का अमृतकाल!

महाराष्ट्र में भाजपा के विकास एवं विश्वास की निर्णायक जीत

बीएमसी का महत्व केवल राजनीतिक प्रतीकात्मकता तक सीमित नहीं है। यह देश का सबसे धनी नगर निगम है, जिसका 2025-26 का बजट 74,427 करोड़ रुपये का है, जो कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है। इसीलिये बीएमसी शिवसेना का आर्थिक संबल थी

ललित गर्ग

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न शहरी निकाय चुनाव राज्य की राजनीति की दिशा, प्रवृत्ति और भविष्य का संकेत देने वाला एक बड़ा जनादेश बनकर सामने आए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की ऐतिहासिक सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। यह बदलाव केवल सत्ता के हस्तांतरण तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक सोच, जन अपेक्षाओं और लोकतांत्रिक व्यवहार में गहरे परिवर्तन का द्योतक है। इन चुनावों ने जहां भगवा राजनीति की वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति को नए सिरे से रेखांकित किया है, वही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच एवं विकास की राजनीति को आगे बढ़ाया है। यह सफलता ऐसे समय में मिली है जब विधानसभा चुनावों में विपक्ष को करारी शिकस्त दिए जाने को अभी एक वर्ष भी पूरा नहीं हुआ था। इसके बावजूद राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन का दबदबा यह दर्शाता है कि यह जीत क्षणिक नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ राजनीतिक प्रवाह का परिणाम है। इन परिणामों ने राष्ट्र का ध्यान इसलिए अपनी ओर खींचा, क्योंकि इन चुनावों को मिनी विधानसभा चुनावों की संज्ञा दी गई थी। दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व का प्रतीक रहे बृहन्मुंबई नगर निगम, यानी बीएमसी में शिवसेना का दशकों पुराना किला ढ़ह गया, बीएमसी एवं राज्यभर के शहरी निकाय चुनाव में भाजपा का सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरना एवं उसका दबदबा कायम होना, एक बड़े राजनीतिक बदलाव का सबसे सशक्त प्रमाण है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की राजनीतिक सोच और कार्यशैली इस पूरे परिदृश्य में एक निर्णायक कारक के रूप में उभरकर सामने आई है। फडणवीस ने महाराष्ट्र की राजनीति को केवल सत्ता संतुलन की सीमाओं में नहीं बांधा, बल्कि उसे दीर्घकालिक विकास दृष्टि से जोड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे व्यापक राष्ट्रीय विकास कार्यक्रमों जैसे बुनियादी ढांचे का विस्तार, डिजिटल गवर्नेंस, पारदर्शिता, निवेश अनुकूल वातावरण और सुशासन को उन्होंने राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप जमीन पर उतारने का प्रयास किया है। उनकी राजनीति भावनात्मक उत्तेजना या तात्कालिक लोकप्रियता पर नहीं, बल्कि योजनाबद्ध विकास, प्रशासनिक दक्षता और भविष्य की तैयारी पर आधारित रही है। मुंबई से लेकर विदर्भ और मराठवाड़ा तक विकास की समान अवधारणा, शहरी-ग्रामीण संतुलन और रोजगार सृजन पर जोर उनकी सोच को प्रतिबिंबित करता है। इस महाविजय के पीछे फडणवीस की रणनीति के चार प्रमुख स्तंभ रहे हैं- हिंदुत्व और विकास का संतुलन, लोकल मुद्दों पर फोकस, विपक्ष पर प्रभावी जवाब और जनता के साथ जुडाव। यही कारण है कि स्थानीय निकाय चुनावों में जनता ने उन्हें केवल एक प्रशासक के रूप में नहीं, बल्कि एक दूरदृष्टा नेतृत्वकर्ता के रूप में स्वीकार किया है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की जो राष्ट्रीय अवधारणा गढ़ी गई, देवेंद्र फडणवीस ने उसे महाराष्ट्र की राजनीतिक और प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही दृष्टि महायुति की सफलता की वैचारिक रीढ़ बनती दिखाई देती है।

बीएमसी का महत्व केवल राजनीतिक प्रतीकात्मकता तक सीमित नहीं है। यह देश का सबसे धनी नगर निगम है, जिसका 2025-26 का बजट 74,427 करोड़ रुपये का है, जो कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है। इसीलिये बीएमसी शिवसेना का आर्थिक संबल थी, क्योंकि भ्रष्ट तौर-तरीकों के कारण नगर निकाय का पैसा उसके नेताओं के पास पहुंचता था। बीएमसी के इसी भ्रष्टाचार के कारण मुंबई अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित नहीं हो पा रही थी। ऐसे में बीएमसी पर नियंत्रण का अर्थ है नीतिगत प्राथमिकताओं, शहरी विकास की दिशा और संसाधनों के उपयोग पर निर्णायक प्रभाव। भाजपा नेतृत्व वाली महायुति की सफलता यह संकेत देती है कि आने वाले वर्षों में मुंबई का प्रशासनिक और विकासात्मक स्वरूप नए सिरे से गढ़ा जाएगा। मुंबई को खराब सडकों, ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से त्रस्त शहर की छवि से मुक्त करना भाजपा की पहली प्राथमिकता बननी चाहिए। इन चुनावों का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि दो दशक बाद ठाकरे परिवार से जुड़ी पार्टियां एकजुट होकर मैदान में उतरीं, फिर भी वे महायुति की लहर को रोकने में असफल रहीं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की प्रतीकात्मक एकता मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर सकी। इसी तरह शरद पवार और अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों का पूणे में गठबंधन भी बुरी तरह विफल रहा। यह पराजय उन राजनीतिक परिवारों के लिए एक चेतावनी है, जिन्होंने लंबे समय तक राज्य की राजनीति में वर्चस्व बनाए रखा था।

इन परिणामों से यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र की जनता ने क्षेत्रीय संकीर्णता और पुराने नारों की बजाय विकास, स्थिरता और विश्वास की राजनीति को प्राथमिकता दी है। 'मराठी मानुष' जैसे भावनात्मक मुद्दे इस बार ज्यादा प्रभाव नहीं डाल सके। मतदाताओं ने यह संकेत दिया है कि वे अपनी आकांक्षाओं को केवल पहचान की राजनीति में सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि वे बेहतर बुनियादी ढांचे, पारदर्शी प्रशासन और भविष्य की स्पष्ट दृष्टि चाहते हैं। इन स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की हाशिये पर मौजूदगी भी एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह स्थिति कांग्रेस के लिए आत्ममंथन का अवसर है। महाराष्ट्र जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य में उसकी कमजोर होती पकड़ यह सवाल उठाती है कि क्या पार्टी बदलते राजनीतिक परिदृश्य को समझने और उसके अनुरूप रणनीति बनाने में विफल हो रही है। महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भविष्य पर भी इन परिणामों ने प्रश्नचिह्न लगा दिया है। इसके घटक दल पहले ही प्रासंगिक बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और यह पराजय उस संघर्ष को और कठिन बना देती है।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि ठाकरे और पवार जैसे परिवारों को अब अपनी राजनीति का पुनर्मूल्यांकन करना होगा। केवल विरासत और अतीत की उपलब्धियों के सहारे राजनीति नहीं चलाई जा सकती। जनता अब जवाबदेही, परिणाम और स्पष्ट दिशा चाहती है। इसके विपरीत भाजपा ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह चुनाव जीतने का गणित अच्छी तरह समझ चुकी है। मजबूत बूथ मैनेजमेंट, कैडर आधारित संगठन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वैचारिक व सांगठनिक संबल उसकी सफलता की आधारशिला बने हैं। यही कारण है कि भाजपा न केवल अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे निकली, बल्कि कई स्थानों पर अपने सहयोगियों पर भी भारी पड़ी। इन चुनावों का व्यापक अर्थ केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है। यह परिणाम राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक संकेत हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास, विकास और आश्वासन की राजनीति को जनता लगातार समर्थन दे रही है। यह राजनीति केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर बदलाव की अनुभूति कराती है। अंधेरों के बीच रोशनी की किरण की तरह यह राजनीति आम नागरिक को यह विश्वास दिलाती है कि उसका भविष्य सुरक्षित हाथों में है। इससे राजनीतिक परिभाषाएं ही नहीं बदलीं, बल्कि इंसान की सोच में भी परिवर्तन आया है। मतदाता अब भावनात्मक उकसावे से अधिक ठोस उपलब्धियों और संभावनाओं को महत्व देने लगा है।

टिप्पणी

गंभीर आर्थिक चुनौतियां

सरकार ने विपक्ष से संवाद करते हुए राष्ट्र को भरोसे में लिया होता, तो संभवतः चीनी कंपनियों के लिए भारत के दरवाजे खोलने के मुद्दे पर उसे आलोचना नहीं झेलनी पड़ती। बहरहाल, सरकार चाहे तो अब भी यह रास्ता अपना सकती है।

हालांकि पुष्टि नहीं हुई है, मगर मीडिया में छपी कई ऐसी रिपोर्टों से देश में व्यग्रता देखी गई है कि केंद्र भारतीय बाजार को चीनी कंपनियों के लिए खोलने जा रहा है। कुछ खबरों के मुताबिक जिन क्षेत्रों को खोला जाएगा, उनमें सरकारी ठेके भी हैं। सरकारी क्षेत्र के ठेके हर वर्ष 700-750 बिलियन डॉलर के होते हैं। यह एक बड़ा बाजार है। कुछ अन्य खबरों में बताया गया है कि सरकार जरूरत के हिसाब से कदम उठाएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि उसी अनुपात में चीन भी भारतीय उत्पादों के लिए अपना बाजार खोले। बहरहाल, यह मामला सिर्फ व्यापारिक नहीं है। इसीलिए कई हलकों से इन खबरों पर उग्र प्रतिक्रिया हुई है। कांग्रेस ने तो इसे गलवाल घाटी के शहीदों का अपमान बताया है।

मुमकिन है कि ऐसी प्रतिक्रियाओं के पीछे सियासी मकसद भी हों, लेकिन भारत में मौजूद भावनाओं के मद्देनजर उन्हें बिल्कुल दरकिनार नहीं किया जा सकता। आखिर खुद नरेंद्र मोदी सरकार ने चीन कंपनियों पर प्रतिबंध अप्रैल 2020 के बाद से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बढ़े तनाव की पृष्ठभूमि में उठाया था। तब से चीन से कारोबार के प्रश्न को सत्ताधारी पार्टी और उसके समर्थकों ने भारतीय की राष्ट्रवादी भावनाओं से जोड़ा था। तब से भारत में दो तरह की धारणाएं रही हैं। एक राय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस घोषणा पर आधारित है कि 'भारत की सीमा में ना तो कोई घुसा और ना किसी ने भारत की जमीन पर कब्जा किया है'।

दूसरी राय उन खबरों पर आधारित है, जिनमें लगातार बताया गया है कि चीनी फौज लद्दाख क्षेत्र में भारतीय इलाकों में घुसी और वहां बफर जोन बनवा कर वापस लौटी। यानी भारत की पहुंच से बड़ा इलाका निकल गया। मोदी सरकार ने इस बारे में विपक्ष से संवाद करते हुए राष्ट्र को भरोसे में लिया होता, तो संभवतः चीनी कंपनियों के लिए भारत के दरवाजे खोलने के मुद्दे पर उसे आलोचना नहीं झेलनी पड़ती। बहरहाल, अब सरकार चाहे तो यह रास्ता अपना सकती है। बेहतर होगा अगर वह आज की गंभीर आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर इस कदम की जरूरत पर राष्ट्रीय आम सहमति तैयार करे।

ब्लॉग

पांच साल बाद भी कांग्रेस नहीं समझ पाई

अजीत द्विवेदी

चुनाव में कांग्रेस ने राज्य की 20 में से 19 सीटों पर जीत हासिल की। राहुल गांधी अमेठी की पारंपरिक सीट से हार गए थे लेकिन केरल की वायनाड सीट से रिकॉर्ड वोटों से जीते। वे दो साल केरल की राजनीति में सक्रिय भी रहे लेकिन 2021 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह से चुनाव हार गई। कांग्रेस के नेता आजतक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचे कि आखिर केरल में हारे कैसे। यह गुत्थी कांग्रेस के लिए चिंता की बात इसलिए है क्योंकि आजादी के बाद से केरल में पांच साल पर सत्ता बदलने का रिवाज रहा है। लेकिन वह रिवाज 2021 में टूट गया। सीपीएम के नेतृत्व वाला लेफ्ट मोर्चा लगातार दूसरी बार चुनाव जीता। इससे पहले इसी तरह का रिवाज तमिलनाडु में टूटा था, जहां 2016 में अन्ना डीएमके लगातार दूसरी बार जीत गई थी। लेकिन 2021 में डीएमके ने शानदार वापसी की और बड़ी जीत हासिल की।

सो, कांग्रेस को उम्मीद है है कि 2021 का चुनाव अपवाद रहा और इस बार वह बड़ी जीत हासिल करेगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन किया और इस बार तो 20 में से 20 सीटें जीत गई। कांग्रेस को सिल्वर लाइनिंग स्थानीय निकाय चुनाव में दिखी है। दिसंबर में हुए स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने बड़ी जीत दर्ज की और छह नगरीय निकायों में से चार में कांग्रेस का एक में सीपीएम का मेयर बना। एक तिरूवनंतपुरम का मेयर पद भाजपा के खाते में गया। ध्यान रहे 2019 के लोकसभा चुनाव में जीत के बाद 2020 में कांग्रेस स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ गई थी। इस बार ऐसा नहीं हुआ है। इस बार लोकसभा और स्थानीय निकाय दोनों में कांग्रेस का गठबंधन जीता है। सो, 2021 जीतने का भरोसा है।

आमतौर पर केरल के बारे में हिंदी पट्टी में बहुत सी गलत धारणाएं हैं। जैसे यह धारणा है कि वहां मुस्लिम और ईसाई आबादी 45 फीसदी के करीब है तो ये दोनों ही तय करेंगे कि किसकी सरकार बनेगी। लेकिन असल में केरल की राजनीति 55 फीसदी हिंदू तय करते हैं। केरल के ब्राह्मण राजनीति में अहम भूमिका अदा करते हैं तो पिछड़ी जातियां खास कर एझवा का भी अहम रोल होता है। ऐसे ही एझवा के एक बड़े और लोकप्रिय नेता वेल्लापल्ली नतेशन को साथ लेकर मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन घूम रहे हैं। नतेशन मुस्लिम विरोधी भाषणों के लिए चर्चित रहे हैं फिर भी विजयन उनको साथ रखे हुए हैं तो कारण यह है कि अगर मुस्लिम वोट कांग्रेस की ओर रूझान दिखाता है तो पिछड़ी जातियों के वोट लेफ्ट के साथ जुड़ें। कांग्रेस के पास एझवा समुदाय के दिग्गज नेता वायलार रवि थे लेकिन उनके नहीं रहने के बाद इस स्पेस में कांग्रेस की राजनीति कमजोर हुई है। पारंपरिक रूप से केरल के ब्राह्मण लेफ्ट

पार्टियों का समर्थन करते रहे हैं।

दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने हिंदू वोटों की गोलबंदी की राजनीति तेज की है। उसका वोट प्रतिशत हर चुनाव के साथ बढ़ रहा है। उसे पिछले विधानसभा चुनाव में 12 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। हालांकि उसे एक भी सीट नहीं मिली थी। उसके बाद हुए लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को 19 फीसदी से ज्यादा वोट मिले और उसका खाता भी खुला। त्रिशुर में सुरेश गोपी चुनाव जीते तो तिरूवनंतपुरम में राजीव चंद्रशेखर सिर्फ 16 हजार वोट से शशि थरूर के हाथों हारे। पांच लोकसभा सीटों पर भाजपा को दो लाख से ज्यादा वोट मिले, जिनमें से दो सीटों पर उसके वोट तीन लाख से ज्यादा थे। तभी भाजपा अब एक बड़ी ताकत के तौर पर इस बार चुनाव मैदान में उतर रही है। अगर उसे ओवरऑल 20 फीसदी वोट मिलता है और तिरूवनंतपुरम, त्रिशुर, कासरगौड, अलापुझा आदि इलाकों में फोकस करके वह चुनाव लड़ती है तो वह अच्छा प्रदर्शन कर सकती है और यह कांग्रेस व लेफ्ट दोनों के लिए चिंता की बात होगी।

अगर कांग्रेस की बात करें तो गुटबाजी उसके लिए सबसे बड़ी समस्या है। केरल कांग्रेस में कई गुट हैं और कोई एक केंद्रीय नेता नहीं है। जब तक एके एंटनी सक्रिय थे तब तक केरल के फैसले वे करते थे। उनके साथ वायलार रवि और ओमन चांडी भी बड़े नेता थे। उनके बाद रमेश चेन्निथला धुरी बन सकते थे लेकिन राहुल गांधी के प्रयोगों के कारण केसी वेणुगोपाल बड़े नेता बन गए हैं। उनके अलावा वीडी सतीशन, के सुधाकरन, सनी जोसेफ सहित कई और नेता हो गए हैं। कम से कम आधा दर्जन नेताओं ने अपने गुट बनाए हैं। यह आम धारणा बनी है कि अगर कांग्रेस जीती तो वेणुगोपाल मुख्यमंत्री हो सकते हैं।

इस तरह की बातों से कांग्रेस का प्रचार बिखरा हुआ दिख रहा है। शशि थरूर वैसे तो अब कांग्रेस लाइन पर ही चलने की बात कर रहे हैं लेकिन उनकी राजनीति का ऊंट चुनाव तक किस करवट बैठेगा यह नहीं कहा जा सकता है। प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड सीट से सांसद हैं और वे अगर सक्रिय होकर पार्टी को एकजुट करने की कोशिश करती हैं तभी कांग्रेस मजबूती से लड़ने के लिए आगे बढ़ेगी। दूसरी समस्या इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की ज्यादा सीटों की मांग है। पिछली बार वह 20 सीटों पर लड़ी थी लेकिन इस बार वह सीधे दोगुनी सीटों की मांग कर रही है। कांग्रेस केरल की 140 में से एक सौ से ज्यादा सीटों पर लड़ना चाहती है। उसे मुस्लिम लीग के अलावा केरल कांग्रेस के दो और आरएसएपी के दो खेमों को एडजस्ट करना होता है। तीसरी समस्या मुस्लिम वोट पर कांग्रेस की निर्भरता की है। कांग्रेस के लिए अच्छी बात यह है कि भाजपा से लड़ने वाली इकलौती मजबूत ताकत के तौर पर कांग्रेस और राहुल गांधी को देखा जा रहा है। इसलिए हो सकता है कि मुस्लिम और ईसाई दोनों भाजपा को रोकने के लिए कांग्रेस का साथ दें।

दूसरी ओर लेफ्ट के गठबंधन की चुनौती 10 साल की एंटी इन्कम्बैंसी की वजह से है। 10 साल से पिनरायी विजयन मुख्यमंत्री हैं और इस दौरान गोल्ड स्मलिंग से लेकर कई तरह के आरोप भी लगे हैं। उनकी बेटी के खिलाफ ईडी की जांच चल रही है। सहयोगी पार्टी सीपीआई ने केंद्रीय मदद के लिए भाजपा के एजेंडे पर सरकार चलाने के आरोप लगाया है तो मुस्लिम विरोधी वेल्लापल्ली नतेशन के साथ विजयन के संबंधों को लेकर भी निशाना साधा है। लोकसभा चुनाव और स्थानीय निकाय चुनाव में लेफ्ट की हार से पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरा है। हालांकि लेफ्ट के नेता इस नैरेटिव पर यकीन कर रहे हैं कि केरल के लोग दिल्ली के लिए कांग्रेस और तिरुवनंतपुरम के लिए लेफ्ट को चुनेंगे। कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ और सीपीएम के नेतृत्व वाले एलडीएफ की इस सीधा लड़ाई में पहली बार भाजपा मजबूत चुनौती पेश कर रही है।

युवाओं को साइबर अपराधों से सतर्क जरना जरूरी

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में गुरुवार को युवा, मानसिक स्वास्थ्य एवं साइबर अपराध विषय पर विशेष व्याख्यानों का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य युवाओं को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना और उन्हें मानसिक रूप से सशक्त बनाना था। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर में 98 यूपी बटालियन एनसीसी, जौनपुर के तत्वावधान में आयोजित कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप-331 के अंतर्गत संपन्न हुआ। साइबर अपराध पर आयोजित व्याख्यान में विश्वविद्यालय के साइबर क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने बताया कि युवाओं के साथ होने वाले साइबर अपराधों में तेजी से वृद्धि हो रही है। उन्होंने एआई के माध्यम से होने वाली साइबर बुलिंग, फर्जी नौकरी, निवेश के नाम पर ठगी और सेक्सटॉर्शन जैसे अपराधों का उल्लेख किया, जिनके जरिए अपराधी युवाओं को मानसिक रूप से प्रताडित करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि साइबर अपराधी व्हाट्सएप, टेलीग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर युवाओं को अपने जाल में फंसाते हैं। डॉ. राठौश्र ने युवाओं को आगाह करते हुए कहा कि यदि किसी पद के लिए आवेदन ही नहीं किया गया है, तो नियुक्ति पत्र मिलने का प्रश्न ही नहीं उठता। उन्होंने फर्जी नियुक्ति पत्रों और एक दिन में पैसा दोगुना जैसी योजनाओं को भी साइबर ठगी के प्रमुख हथकंडे बताया, जिनसे युवाओं को सतर्क रहने की आवश्यकता है। मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर आयोजित व्याख्यान में विश्वविद्यालय के वैलनेस सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. अन्नू त्यागी ने कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने जोर दिया कि मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन के उद्देश्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त कर सकता है।

स्पेशल एजुकेटर भर्ती पर फिर उठे सवाल, अभ्यर्थियों का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। जिले में स्पेशल एजुकेटर भर्ती प्रक्रिया को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। भर्ती में पारदर्शिता न होने और 'रैंडम सिस्टम' के नाम पर चयन में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए अभ्यर्थियों ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी को संबोधित एक मांग पत्र अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपकर भर्ती प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

अभ्यर्थियों का कहना है कि वर्तमान काउंसलिंग और दस्तावेज़ सत्यापन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी नहीं है। उनका आरोप है कि उच्च मेरिट वाले उम्मीदवारों को जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है, जबकि कम मेरिट वालों को दस्तावेज़ सत्यापन के लिए बुलाया गया है। अभ्यर्थी स्वाति तिवारी ने बताया कि वर्ष 2025 में भी यही भर्ती धांधली के आरोपों के चलते रद्द की गई थी और इस बार भी वही स्थिति दोहराई जा रही है। उन्होंने कहा कि 22, 23 और 24 जनवरी को दस्तावेज़ सत्यापन (DV) निर्धारित है, लेकिन कई योग्य अभ्यर्थियों को न तो ईमेल मिला, न कॉल और न ही कोई संदेश।

प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग है कि 'रैंडम सिस्टम' को पूरी तरह समाप्त किया जाए और सभी योग्य अभ्यर्थियों को एक साथ दस्तावेज़ सत्यापन के लिए बुलाया जाए, जिससे भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी बन सके। अभ्यर्थियों ने बताया कि वे पहले बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) कार्यालय गए थे, जहां यह कहकर उन्हें लौटा दिया गया कि चयन 'रैंडम सिस्टम' से हो रहा है और इसमें कोई हस्तक्षेप संभव नहीं है। इसके बाद न्याय की आस में वे जिलाधिकारी के पास पहुंचे।

जानकारी के अनुसार, कुछ अभ्यर्थियों को 22, 23 और 24 जनवरी 2026 को ईमेल के माध्यम से दस्तावेज़ सत्यापन के लिए बुलाया गया है, जबकि कई ऐसे उम्मीदवार जो सभी मानदंडों पर खरे उतरते हैं, उन्हें अब तक कोई सूचना नहीं दी गई है। ज्ञापन में जिलाधिकारी से मांग की गई है कि 23 और 24 जनवरी को प्रस्तावित दस्तावेज़ सत्यापन प्रक्रिया को निरस्त कर सभी आवेदित अभ्यर्थियों को समान अवसर दिया जाए और भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी व निष्पक्ष तरीके से संपन्न

अविमुक्तेश्वरानंद को मेला प्रशासन की चेतावनी, हमेशा के लिए मेला क्षेत्र में प्रवेश पर लगाया जाएगा प्रतिबंध

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को दूसरा नोटिस जारी किया है। इसमें चेतावनी दी गई है कि मौनी अमावस्या पर भगदड़ की स्थिति उत्पन्न करने के प्रयास में क्यों न मेला क्षेत्र में उनका प्रवेश हमेशा के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाए। इसके लिए उन्हें 18 जनवरी को नोटिस जारी किया गया है और 24 घंटे में ही जवाब मांगा गया था। यह नोटिस अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर के पीछे वाले हिस्से पर चस्पा मिला। इस नोटिस की जानकारी तब हुई जब मेला प्रशासन के कर्मचारियों ने शिविर में आकर इसकी जानकारी दी। जब तक शंकराचार्य को इसकी जानकारी हुई तब तक तीन दिन बीत चुके थे।

दो बीवियों का चक्कर! पंचायत ने की मदद, कहा– 3 दिन एक के साथ, 3 दिन दूसरी के साथ और संडे को...

आर्यावर्त संवाददाता

रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसे सुनकर आप भी कहेंगे- ऐसा भी होता है क्या? यहां 'एक म्यान में दो तलवारें' रहने की कहावत को सुलझाने के लिए पंचायत ने एक ऐसा फैसला सुनाया है, जो अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गया है। मामला दो पत्नियों के बीच पति के बंटवारे का है, जिसके लिए सप्ताह के सातों दिनों का बकायदा लिखित शेड्यूल तैयार किया गया है।

मामला अजीमनगर थाना क्षेत्र के नगलिया आकिल गांव का है। यहां मुस्लिम समुदाय के एक युवक ने दो शादियां की थीं। पहली पत्नी अरेंज मैरिज के जरिए घर आई थी। जबकि दूसरी पत्नी के साथ युवक ने लव मैरिज की थी। शुरुआत में सब कुछ ठीक रहा, लेकिन धीरे-धीरे दोनों पत्नियों के बीच पति को अपने पास रखने को लेकर होड़ शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि घर का सुकून छीन गया और मामला थाने तक जा पहुंचा। पुलिस तक शिकायत पहुंचने के बाद मामले को सामाजिक स्तर पर सुलझाने के लिए गांव की पंचायत बुलाई गई। पंचों ने दोनों पत्नियों और पति की बात सुनी। विवाद खत्म करने के लिए पंचायत ने 'दिनों के बंटवारे' का नायाब रास्ता निकाला।

रविवार को छुट्टीः सबसे दिलचस्प हिस्सा यह रहा कि रविवार के दिन पति को 'छुट्टी' दी गई है। इस दिन वह दोनों पत्नियों से दूर एकांत में रहेगा या अपनी मर्जी से समय बिताएगा।

विशेष परिस्थितियों के लिए पंचायत ने एक दिन आगे-पीछे करने की छूट भी दी है। भविष्य में विवाद न हो, इसके लिए इस समझौते को लिखित रूप में दर्ज कर तीनों के हस्ताक्षर कराए गए हैं।

पूर्णिया में भी हुआ था ऐसा ही 'इंसाफ'

पति के बंटवारे का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले बिहार के पूर्णिया में भी एक ऐसा ही वाक्या चर्चा में रहा था। वहां भी एक युवक ने पहली पत्नी को बिना तलाक दिए दूसरी शादी कर ली थी। जब मामला परिवार परामर्श केंद्र पहुंचा, तो वहां भी सप्ताह के सात दिनों को दोनों पत्नियों के बीच बांटकर विवाद का निपटारा किया गया था।

स्कूल में यातायात जागरूकता कार्यक्रम चलाया

जौनपुर। सडक सुरक्षा माह के अंतर्गत, गिरेन्द्र सिंह क्षेत्राधिकारी यातायात, सत्येंद्र कुमार आरटीओ/प्रवर्तन अधिकारी व सुशील कुमार मिश्रा प्रभारी यातायात के द्वारा प्रसाद इण्टर नेशनल स्कूल में विद्यालय की रजिस्ट्रार श्रीमती माधुरी सिंह के सहयोग से करीब 300 बच्चों के बिच सडक दुर्घटना व उनमें होने वाली मृत्यु में कमी लाये जाने के उद्देश्य से यातायात जागरूकता कार्यक्रम, क्विज, संभाषण, रंगोली, चित्रकला, पोस्टरकला एवं नुक्कड नाटक प्रतियोगिता आयोजित किया गया । साथ ही विभिन्न यातायात नियमों के उल्लंघन तथा बिना हेल्मेट वाहन संचालन करना, बिना सीटबेल्ट प्रयोग किये चार पहिया वाहन संचालित करना, चारपहिया वाहन पर ब्लैक फिल्म का प्रयोग करना, माडीफाइड साइलेंसर का प्रयोग करना, रांग साइड वाहन का संचालन करना आदि अपराधों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही की गयी ।

'हाथ कैसे पकड़ा...? मैंने छुआ भी नहीं', बीच सड़क पर युवक और युवती में हुई गुत्थमगुत्थी का वीडियो वायरल

आर्यावर्त संवाददाता

रायबरेली। शहर के रतापुर चौराहे पर बुधवार की रात एक दुकान पर दुकानदार और युवती के बीच पैसों के लेन देन को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि दुकानदार और उसके साथियों ने युवती की बेरहमी से पिटाई कर दी।

मामले को लेकर दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में एक युवक और युवती के बीच हाथापाई हो रही है, वहीं दूसरे वीडियो में कुछ युवक युवती को सड़क पर गिरा कर मारते-पीटते दिखाई दे रहे हैं।

बताया जा रहा है कि देर रात चौराहे के पास स्थित फास्ट फूड की दुकान पर एक युवती आई, खाने पीने के बाद पैसे को लेकर युवती की दुकानदार से कहासुनी हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर

स्थिति को शांत कराने का प्रयास किया। इसी बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस को देखते ही फास्ट फूड संचालक मौके से फरार हो गया, जबकि युवती को पुलिस अपने साथ थाने ले गई। वहीं स्थानीय लोगों द्वारा युवती के नशे में होने की बात कही जा रही है। थानाध्यक्ष विंध्य विनय का कहना है कि सुबह तहरीर देने की बात कहकर युवती घर चली गई थी, तहरीर मिलने पर केस दर्ज किया जाएगा।

छोटे लोहिया की पुण्यतिथि सादगी से मनाया

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के तत्वाधान में छोटे लोहिया स्व. जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि सादगी के साथ उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में मनाई गई तथा उनके विचारों पर चर्चा करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का पुनः संकल्प लिया। तत्पश्चात एसआई आर कार्य की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। पुण्यतिथि कार्यक्रम एवं एसआईआर कार्य की समीक्षा बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व मंत्री विधायक टांडा राममूर्ति वर्मा बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि समाजवादी विचारों पर दृढ़ता के कारण स्व जनेश्वर मिश्र को छोटे लोहिया की उपाधि मिली आज उनकी पुण्यतिथि पर हम उनको नमन करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का पुनः संकल्प लेते हैं। जिलाध्यक्ष ने कहा कि स्व. जनेश्वर मिश्र जी समाजवादियों के आदर्श रहे उनके विचार उन्हें सदैव समाजवादियों का आदर्श बनाए रखेंगे।उनके विचारों पर चलने के पुनः संकल्प के साथ उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।एसआईआर कार्य को जनपद में समाजवादी प्रहरियों के सहयोग से शत प्रतिशत सफलता पूर्वक कराया जा रहा है इस कार्य के लिए समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता और जनता जनार्दन के सहयोग की सराहना करते हैं।समाजवादी पार्टी छात्र सभा के राष्ट्रीय सचिव अशोक यादव एवं विजय बहादुर गौतम को अंबेडकर वाहिनी के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर जिलाध्यक्ष ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, पूर्व विधायक राजनरायन बिंद, प्रदेश सचिव हिसामुद्दीन शाह, सुशील दुबे, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दीपचंद राम ने संबोधित किया। संचालन महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

सहारनपुर डेथ मिस्ट्री में नया खुलासा : अशोक ने पिता की मौत के बाद किया था ये काम, अब जीजा ने बताई एक और सच्चाई

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर. यूपी के सहारनपुर में हुई चार हत्या और आत्महत्या कांड में एक और नया खुलासा हुआ है। करीब एक साल पहले संग्रह अमीन अशोक राठी ने जब अपने पूरे परिवार को नींद की गोलियां दे दी थीं, तब उपचार कर रहे डॉक्टरों ने उसकी मानसिक स्थिति को देखते हुए परिवार को सतर्क रहने के लिए कहा था। हालांकि परिवार को जरा भी आभास नहीं था कि अशोक यह कदम उठा सकता है। यह भी सामने आया कि अशोक करीब चार साल पहले अपने पिता की मौत के बाद से अवसाद में चला गया था। इस घटनाक्रम के बाद खारीबांस गांव में पहुंचे बड़े बहनोई जयवीर सिंह ने बताया कि हत्या के पीछे अशोक की क्या मजबूरी रही होगी यह समझ से परे है। आशंका यही है कि अशोक ने मानसिक अवसाद में इस घटना को अंजाम दिया है।

नए मकान के मुहूर्त की चल रही थी तैयारी

बताया कि वह गत रविवार को अशोक के घर गए थे, वहां पर एक फरवरी को होने वाले नए मकान के मुहूर्त की तैयारी चल रही थी। पूरा परिवार खुश था। खुद अशोक भी बाजार से सामान खरीदारी में लगा हुआ था।

'पिता की मौत के बाद से ही तनाव में था अशोक'

जयवीर ने बताया कि परिवार में किसी तरह का कोई विवाद भी सामने नहीं आया था। उन्होंने बताया कि पिता की मौत के बाद से ही अशोक मानसिक तनाव में जरूर रहता था और पूर्व में भी वह पूरे परिवार को मुश्किल में डाल चुका था।

परिवार के साथ गांव में बसना चाहता था अशोक

वह परिवार के साथ गांव में बसना चाहता था। जयवीर के अनुसार, अशोक ने अवसाद के कारण पहले भी परिवार को खत्म करने की कोशिश की थी, लेकिन वह सफल नहीं हुआ था। उसका चंडीगढ़ में इलाज भी चल रहा था।

चंडीगढ़ से दवाई लाता था अशोक

वहीं से दवाई लेकर आता था। बताया कि डॉक्टरों ने भी परिवार को अशोक से बचकर रहने की सलाह दी थी। गांव में चर्चा यह भी थी कि अशोक कई बार पहले कह चुका था कि वह अपने पूर परिवार को खत्म करेगा। उसने अपने इस कथन को सत्य कर दिया और पूरे परिवार की हत्या कर खुद भी आत्महत्या कर ली।

गांव में पहुंचे जनप्रतिनिधि

खारीबास गांव में बुधवार को जनप्रतिनिधि पहुंचे। पूर्व मंत्री साहब सिंह सैनी व भाजपा नेता राजसिंह माजरा ने गांव में पहुंचकर परिजनों को इस दुख की घड़ी में सांत्वना दी और घटना की विषय में बात की।

यह था पूरा मामला

सहारनपुर के सरसावा थाना इलाके की कौशिक विहार कॉलोनी में सोमवार की रात को दिल दहला देने वाली वारदात हुई। संग्रह अमीन अशोक राठी (40) मां विद्यावती (70), पत्नी अंजिता (35), बेटे कार्तिक (16) और देव (13) के शव एक ही कमरे में पड़े मिले। पुलिस की जांच में सामने आया कि रात में अशोक ने परिवार के सदस्यों को गोली मारकर खुद भी गोली मार ली। वह काफी समय से अवसाद में था।

नकुड़ तहसील में संग्रह अमीन के पद पर तैनात थे अशोक राठी

पुलिस ने बताया कि अशोक राठी नकुड़ तहसील में संग्रह अमीन के पद पर तैनात थे। मूलरूप से नकुड़ के गांव खारीबांस निवासी अशोक राठी करीब दो साल से सरसावा में परिवार के साथ रह रहे थे। पहले सरसावा की टीचर कॉलोनी में रहते थे।

सावन विहार कॉलोनी में रहती है बहन

बाद में कौशिक विहार कॉलोनी में अपने गांव के ही मांगेराम का मकान किराये पर लिया। वे ऊपर वाले तल में रहते थे, जबकि नीचे वाला हिस्सा खाली था। अशोक राठी की बहन पिंकेश सावन विहार कॉलोनी में रहती है।

रसोई की खिड़की तोड़कर खोला दरवाजा

मंगलवार सुबह पिंकेश ने अशोक के मोबाइल पर फोन किया तो रिसीव नहीं हुआ। इसके बाद पिंकेश ने अपने बेटे प्रीत को भाई के घर भेजा। प्रीत को मामा के घर का दरवाजा बंद मिला। इसके बाद प्रीत ने अपने पिता जयवीर को सूचना दी। दोनों ने सीढ़ी लगाकर अंदर प्रवेश किया और रसोई की खिड़की तोड़कर दरवाजा खोला। अंदर का मंजर देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। सभी के शव बिस्तर में पड़े थे। अशोक राठी के सीने और कनपटी में गोली लगी थी, जबकि बाकी के माथे पर सटाकर गोली लगने के निशान थे।

बंद कमरे में प्रेमी संग थी बहन, भाइयों ने हाथ-पैर पकड़े...फावड़े से काटा, 2KM दूर मंदिर के पास किया ये काम

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले से सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां पाकबड़ा थाना क्षेत्र के उमरी सब्जीपुर गांव में युवक और युवती को पीट-पीटकर मार दिया गया। दोनों अलग-अलग समुदाय के थे और दो साल से इनके बीच प्रेम संबंध था। रविवार की रात को अरमान (27) अपनी प्रेमिका काजल (20) से मिलने पहुंचा था। युवती के घर वालों ने पकड़ लिया। पहले युवक की पीटकर हत्या कर दी और फिर युवती को भी मार डाला।

इसके बाद दोनों के शवों को बोरी में बंद कर करीब दो किलोमीटर दूर बाबा नीम करौली के मंदिर के पास गागन नदी के किनारे ले गए और वहां दबा दिया। पुलिस का कहना है कि अरमान के पिता ने सूचना दी थी कि उनका बेटा लापता है। पड़ोसी परिवार पर शक जताया था।

दो समुदायों से जुड़ा मामला

इसी आधार पर पुलिस ने पड़ताल शुरू की और युवती के पिता और भाइयों को हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद घटना का खुलासा कर दिया। मामला दो समुदायों से जुड़ा होने के कारण गांव में पुलिस और पीएसी बल तैनात कर दिया गया है।

अरमान का गांव की काजल से था प्रेम प्रसंग

एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि पाकबड़ा के उमरी सब्जीपुर निवासी मो। हनीफ के पांच बेटों में तीसरे नंबर के बेटे अरमान का गांव निवासी गनपत सैनी की बेटी काजल से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

शवों को गागन नदी किनारे गड्ढा खोदकर दबाया

अरमान रविवार की रात करीब साढ़े नौ बजे काजल से मिलने उसके घर पहुंच गया था। इसी दौरान उसके तीन भाइयों, मां और पिता ने दोनों को पकड़ लिया। दोनों की जमकर पिटाई की। लाठी डंडे से हमला किया, सिर पर फावड़ा मारकर दोनों की हत्या कर दी। रात में ही दोनों के शवों को गागन नदी किनारे गड्ढा खोदकर दबा दिया। मो। हनीफ की तहरीर पर तीन भाइयों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

फोरेंसिक टीम ने लिए नमूने

घटना की जानकारी मिलने पर एसपी क्राइम सुभाष चंद्र गंगवार, सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता, सीओ हाईवे राजेश कुमार कई थानों की फोर्स और पीएसी बल के साथ गांव में पहुंच गए और युवती के भाइयों और पिता को हिरासत में लेकर मौके पर पहुंची और शव बरामद कर लिए हैं। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से नमूने लिए हैं। एसपी सिटी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जा रही है।

टाइल्स का काम करता था अरमान, निजी स्कूल में पढ़ाती थी काजल

मो। हनीफ का बेटा अरमान टाइल्स मार्बल्स लगाने का काम करता था। उसके पड़ोस में रहने वाली काजल ने 2023 में 12वीं कक्षा पास की थी। इसके बाद सब्बीपुर गांव स्थित निजी स्कूल में पढ़ाने लगी थी।

चीखे सुनीं तो लोगों ने सोचा शराब के नशे में लड़ रहे हैं दोनों भाई

रविवार की रात करीब 12 बजे काजल और अरमान की जमकर पिटाई की गई थी। इस दौरान आसपास के लोगों ने चीखें सुनी थी लेकिन ठंड होने के कारण लोग अपने घरों से बाहर नहीं आए और उन्होंने सोचा कि दोनों भाई शराब के नशे में लड़ रहे हैं।

अरमान के परिवार का पुलिस पर तहरीर बदलवाने का आरोप

अरमान के परिवार के लोगों का आरोप है कि घटना में युवती के तीनों भाई समेत छह लोग शामिल रहे हैं। उन्होंने छह लोगों के खिलाफ तहरीर दी थी लेकिन बाद में पुलिस ने तहरीर बदलवा दी है। अब तहरीर में युवती के तीनों भाइयों को आरोपी बनाया गया है।

बेटी और प्रेमी की हत्या कर थाने में लिखा दी गुमशुदगी

दोहरे हत्याकांड को अंजाम देने वाले आरोपी भले ही कम पढ़े लिखें हैं लेकिन उन्होंने पुलिस को भी गुमराह करने की हर संभव कोशिश की। बेटी और प्रेमी की हत्या करने के बाद थाने जाकर उसकी गुमशुदगी दर्ज करा दी। अरमान और उसके परिवार पर काजल को गायब करने का शक भी जता दिया ताकि पुलिस अरमान के परिवार से ही पूछताछ करती रहे। अरमान और काजल रविवार की रात से गायब थे। सोमवार की सुबह अरमान के परिजन उसकी तलाश में जुट गए लेकिन काजल के परिवार ने न तो पुलिस को सूचना दी और न ही बेटी को तलाशने का प्रयास किया। मंगलवार को अरमान के पिता ने थाने में तहरीर देकर बेटे के गायब होने की जानकारी दी।

इसकी भनक लगते ही गनपत और उसके परिवार के लोग भी सक्रिय हो गए। उसने भी थाने में तहरीर देकर बेटी की गुमशुदगी दर्ज करा दी। इस परिवार ने पुलिस को यह भी जानकारी दी कि अरमान ही उसको बेटी को कहीं ले गया है। इसके पीछे गनपत और उसके परिवार का मकसद यह था कि पुलिस अरमान और काजल की तलाश करती रहेगी।

उन पर कोई शक भी नहीं करेगा जबकि गनपत के बेटे रविवार की रात ही काजल और अरमान की हत्या कर चुके थे। दोनों के शवों को दबा दिया गया था। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि युवती के भाइयों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने दोनों की हत्या करने की बात कबूल कर ली है। दोनों के शव बरामद कर लिए हैं। फावड़ा भी बरामद कर लिया है।

तनाव के बीच छावनी में तब्दील गांव, गलियों में गश्त कर रहे पुलिस कर्मी

पाकबड़ा क्षेत्र के मिश्रित आबादी वाला उमरी सब्जीपुर गांव तनाव के बीच छावनी में तब्दील है। लखनऊ-दिल्ली बाइपास से सटे इस गांव में दोहरे हत्याकांड से तनाव है। गांव के छोर से लेकर अरमान और काजल के घर तक पुलिस बल तैनात किया गया है। गांव की गलियों में पुलिस और पीएसी के जवान गश्त कर रहे हैं।

बुधवार की रात शाम करीब चार बजे पुलिस की गाड़ियां हूटर बजाते हुए गांव में पहुंचीं तो लोग हैरान रह गए। वह अपने अपने घर में बाहर निकाल आए। पुलिस कर्मियों ने मो। हनीफ और गनपत के घर के बारे में जानकारी की तो लोग समझ गए कि कुछ घटना हो गई है क्योंकि गांव में पहले से अरमान और काजल के प्रेम संबंधों की चर्चा थी। इसी बीच पीएसी की चार गाड़ियां और बुला ली गई। दूसरे मोहल्ले में अरमान के घर के आस-पास भी पुलिस तैनात कर दी है। पाकबड़ा के अलावा, माला मुंढापांडे सिविल लाइंस थाने से भी पुलिस बल बुला लिया गया है।

तैलीय त्वचा की महिलाएं मेकअप करते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान

अगर आपकी त्वचा तैलीय है, तो आप अक्सर इस बात से परेशान रहती होंगी कि मेकअप करते समय क्या-क्या सावधानियां बरतनी चाहिए, खासकर जब बात गर्मियों की हो। तैलीय त्वचा वालों के लिए गर्मियों में मेकअप करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है क्योंकि पसीने और नमी के कारण मेकअप जल्दी बिगड़ जाता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे मेकअप टिप्स देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप तैलीय त्वचा पर गर्मियों में मेकअप करते समय ध्यान रख सकती हैं।

सही प्राइमर का करें चयन

तैलीय त्वचा वालों के लिए प्राइमर का चयन करना बहुत जरूरी है। ऐसा प्राइमर चुनें, जो तेल को नियंत्रित कर सके और चेहरे को सूखा रखे। इसके अतिरिक्त ऐसा प्राइमर चुनें, जो लंबे समय तक टिका रहे और पसीने और नमी के प्रभाव से प्रभावित न हो। सही प्राइमर न केवल आपके मेकअप को सेट रखने में मदद करेगा बल्कि चेहरे की अतिरिक्त चमक को भी नियंत्रित करेगा।

फाउंडेशन हो सूखा

फाउंडेशन का चयन करते समय भी ध्यान दें कि वह सूखा हो। पाउडर फाउंडेशन तैलीय त्वचा के लिए सबसे अच्छा होता है क्योंकि यह अतिरिक्त तेल को सोख लेता है और चेहरे की चमक को नियंत्रित करता है। इसके अलावा यह लंबे समय तक टिका रहता है और पसीने और नमी के प्रभाव से प्रभावित नहीं होता। पाउडर फाउंडेशन आपके मेकअप को सेट रखने में मदद करेगा और आपको एक साफ और निखरी हुई त्वचा का एहसास दिलाएगा।

कंसीलर का इस्तेमाल करें

अगर आपको चेहरे पर दाग-धब्बे या काले घेरे हैं तो उन्हें छिपाने के लिए कंसीलर का इस्तेमाल करें। हमेशा ऐसे कंसीलर का चयन करें, जो आपकी त्वचा के रंग से मेल खाता हो और पाउडर हो। इससे आपका मेकअप लंबे समय तक टिका रहेगा और चेहरे पर चिकनाहट नहीं आएगी। कंसीलर का सही चयन आपके चेहरे की खामियों को छिपाने में मदद करेगा और आपको एक निखरी हुई त्वचा का एहसास दिलाएगा।

पाउडर ब्लश और ब्रॉन्जर का भी करें इस्तेमाल

ब्लश और ब्रोंजर का चयन करते समय भी पाउडर उत्पादों का ही चयन करें। शिमर जैसे उत्पाद तैलीय त्वचा पर चिकनाहट बढ़ा सकते हैं, जिससे आपका मेकअप जल्दी बिगड़ सकता है। इसलिए हमेशा सूखे उत्पादों का ही इस्तेमाल करें। इससे न केवल आपका मेकअप लंबे समय तक टिका रहेगा बल्कि चेहरा अधिक चमकदार और साफ दिखेगा। पाउडर उत्पाद आपकी त्वचा को एक स्वस्थ और निखरी हुई लुक देंगे।

सेटिंग पाउडर लगाएं

मेकअप करने के बाद सेटिंग पाउडर लगाना न भूलें। यह न केवल आपके मेकअप को सेट करता है बल्कि अतिरिक्त तेल को सोखने में भी मदद करता है। इसके अलावा यह पसीने और नमी के प्रभाव से आपके मेकअप को सुरक्षित रखता है। सेटिंग पाउडर का सही उपयोग करने से आपका मेकअप लंबे समय तक टिका रहता है और चेहरा चिकनाहट रहित दिखता है। सही सेटिंग पाउडर का चयन और उपयोग आपके मेकअप को बेहतरीन बनाएगा।

बिना जिम के घर बैठे ढाई महीने में कम कर सकते हैं 10 किलो वजन, डॉक्टर ने दिए तीन जरूरी सुझाव

अक्सर कुछ लोग वजन कम करना चाहते हैं लेकिन व्यस्त दिनचर्या की वजह से वो वर्कआउट नहीं कर पाते हैं। ऐसे में लोगों के मन से सवाल उठता है कि क्या घर बैठे भी वजन कम किया जा सकता है? इसी सवाल का जवाब डॉक्टर मल्हार गणला ने दिया, जिसके बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

डॉक्टर मल्हार गणला के ये सुझाव यह साबित करते हैं कि फिटनेस के लिए केवल पसीना बहाना ही काफी नहीं है, बल्कि सही पोषण और अनुशासित दिनचर्या जरूरी है। यह खबर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें ₹क्रैश डाइटिंग₹ के खतरों से बचाकर वैज्ञानिक और स्वस्थ वजन घटाने की ओर प्रेरित करती है। जब आप अपने शरीर की पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करते हैं और बाहर के रसायनों से बचते हैं, तो वजन घटाना एक सहज प्रक्रिया बन जाती है।

वजन कम करने का नाम आते ही हमारे दिमाग में जिम की भारी मशीनों और पसीने से तरबतर वर्कआउट की तस्वीर उभरती है, लेकिन डॉक्टर मल्हार गणला ने एक नए और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इस धारणा को बदल दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में दावा किया है कि बिना किसी भारी कसरत के भी केवल ढाई महीने में 10 किलो वजन कम किया जा सकता है।

डॉक्टर गणला के अनुसार, वजन घटाना शारीरिक मेहनत से ज्यादा शरीर के भीतर पोषक तत्वों के संतुलन और सही आदतों का खेल है। अक्सर लोग वजन कम करने की होड़ में खुद को भूखा रखने लगते हैं, जिससे शरीर कमजोर हो जाता है और मेटाबॉलिज्म सुस्त पड़ जाता है।

यह खबर उन लाखों लोगों के लिए एक उम्मीद की किरण है जो ऑफिस की व्यस्तता या समय के अभाव के कारण जिम नहीं जा पाते। उन्होंने तीन ऐसे बुनियादी सुझाव दिए हैं जो शरीर को आंतरिक रूप से सेटल करते हैं और प्राकृतिक तरीके से चर्बी घटाने में मदद करते हैं।

भूख मारना बंद कर शरीर की जरूरतों को कैसे समझें?

डॉक्टर गणला का पहला और सबसे महत्वपूर्ण सुझाव है कि भूख को दबाना बंद करें और उसे समझना शुरू करें। शरीर को जब जरूरी न्यूट्रिएंट्स नहीं मिलते, तो वह बार-बार भूख के संकेत भेजता है। उन्होंने सुझाव दिया है कि ओमेगा 3,6 (1000mg डेली), विटामिन D (60k यूनिट मासिक) के साथ विटामिन K2 (55mcg डेली) और मैग्नीशियम (200mg डेली) के सप्लीमेंट्स लेकर शरीर की पोषक तत्वों की भूख को शांत किया जा सकता है। इसके साथ रोज एक मल्टीविटामिन सप्लीमेंट भी जरूर लें इससे बेवजह खाने की इच्छा खत्म होती है।

बाहर के खाने से परहेज वजन घटाने में कितना प्रभावी है?

वजन घटाने का दूसरा चरण 'घर के खाने' की शुद्धता को अपनाना है। डॉक्टर सलाह देते हैं कि बाहर के जंक फूड और प्रोसेस्ड खाने से पूरी तरह परहेज करें। चाहे आप ऑफिस जा रहे हों या किसी काम से बाहर, हमेशा अपने साथ घर का बना संतुलित भोजन रखें। बाहर जाने से पहले भी घर से ही खाना खाकर निकलें। घर का बना खाना कैलोरी को नियंत्रित रखने और मेटाबॉलिज्म को स्थिर करने का सबसे सुरक्षित तरीका है।

क्या बिना जिम और भारी एक्सरसाइज के वजन कम हो सकता है?

चौंकाने वाली बात यह है कि डॉक्टर शुरुआती ढाई महीनों में भारी एक्सरसाइज बंद करने की सलाह देते हैं। इसके बजाय वे 'लाइट वॉक' (हल्की सैर), लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों का उपयोग और सूर्य नमस्कार जैसे योग करने का सुझाव देते हैं। जब शरीर इन बदलावों के साथ सेटल होने लगे और वजन कम होने लगे, तब आप जिम जाने के बारे में सोच सकते हैं। यह तरीका शरीर पर बिना मानसिक दबाव डाले फैट बर्न करता है।

स्थायी वजन घटाने का सही तरीका

कान का रूखापन दूर करने के लिए इन 5 चीजों का करें इस्तेमाल

कान का रूखापन एक आम समस्या है, जो कई लोगों को प्रभावित करती है। यह समस्या खासकर सर्दियों में अधिक होती है जब हवा में नमी कम होती है। सूखे कान में खुजली, जलन और असहजता महसूस होती है। इस लेख में हम कुछ घरेलू उपायों पर चर्चा करेंगे, जिनसे आप अपने कानों की सूखापन को दूर कर सकते हैं और आराम महसूस कर सकते हैं।

जैतून का तेल लगाएं

जैतून का तेल कानों की सूखापन दूर करने का एक असरदार उपाय है। यह नमी को बनाए रखता है और कान की त्वचा को मुलायम बनाता है। इसके लिए थोड़ी मात्रा में जैतून का तेल लें और उसे हल्के हाथों से कान के अंदर डालें। कुछ मिनट तक इसे ऐसे ही रहने दें, फिर कपड़े से अतिरिक्त तेल को साफ कर दें। यह प्रक्रिया हफ्ते में एक बार दोहराई जा सकती है।

नारियल का तेल लगाएं

नारियल का तेल भी कानों की सूखापन दूर करने में मदद करता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व कान की त्वचा को पोषण देते हैं और सूखापन कम करते हैं। इसके लिए थोड़ी मात्रा में नारियल का तेल लें और उसे कान के अंदर डालें, फिर हल्के हाथों से मसाज करें। कुछ मिनट तक इसे ऐसे ही रहने दें, फिर कपड़े से अतिरिक्त तेल को साफ कर दें। यह प्रक्रिया हफ्ते में एक बार दोहराई जा सकती है।

बादाम का तेल लगाएं

बादाम का तेल विटामिन से भरपूर होता है, जो कानों की त्वचा को पोषण देता है और सूखापन कम करता है। इसके लिए थोड़ी मात्रा में बादाम का तेल लें और उसे कान के अंदर डालें, फिर हल्के हाथों से मालिश करें। कुछ मिनट तक इसे ऐसे ही रहने दें, फिर कपड़े से अतिरिक्त तेल को साफ कर दें। यह प्रक्रिया हफ्ते में एक बार दोहराई जा सकती है।

लहसुन का रस लगाएं

लहसुन का रस कानों की सूखापन दूर करने में मदद करता है। इसमें सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो खुजली और जलन कम करते हैं। इसके लिए कुछ लहसुन की कलियों को पीसकर उनका रस निकाल लें, फिर इस रस को हल्का गर्म करें और कान में डालें। 5-10 मिनट तक इसे ऐसे ही रहने दें, फिर कपड़े से अतिरिक्त रस को साफ कर दें। यह प्रक्रिया हफ्ते में एक बार दोहराई जा सकती है।

एलोवेरा जेल लगाएं

एलोवेरा जेल अपने ठंडक प्रभाव के कारण सूखे कानों को आराम देता है और नमी बनाए रखता है। इसके लिए थोड़ा एलोवेरा जेल लें और उसे कान के अंदर डालें, फिर हल्के हाथों से मालिश करें। कुछ मिनट तक इसे ऐसे ही रहने दें, फिर कपड़े से अतिरिक्त जेल को साफ कर दें। यह प्रक्रिया हफ्ते में एक बार दोहराई जा सकती है। इन घरेलू उपायों का नियमित उपयोग करके आप अपने कानों की सूखापन को कम कर सकते हैं।

सुधा मूर्ति की निवेशकों को कड़ी चेतावनी; 'डीपफेक' वीडियो से रहें सावधान, मेरे नाम पर हो रही है ठगी

राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति ने अपने नाम और आवाज का इस्तेमाल करने वाले 'डीपफेक' निवेश वीडियो के खिलाफ चेतावनी जारी की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे कभी भी निवेश सलाह नहीं देतीं।

राज्यसभा सांसद, लेखिका और सामाजिक कार्यकर्ता सुधा मूर्ति ने सोशल मीडिया पर चल रहे उनके फर्जी वीडियो को लेकर आम जनता और निवेशकों को आगाह किया है। उन्होंने साफ किया है कि इंटरनेट पर उनकी आवाज और चेहरे का इस्तेमाल करके वित्तीय योजनाओं का प्रचार करने वाले वीडियो पूरी तरह से नकली हैं और यह 'डीपफेक' तकनीक का नतीजा है। मूर्ति ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो संदेश जारी कर लोगों से अपील की है कि वे ऐसे विज्ञापनों के झांसे में न आएं और अपनी मेहनत की कमाई को सुरक्षित रखें।

20,000 रुपये के निवेश पर 10 गुना रिटर्न का दावा झूठा

सुधा मूर्ति ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके 2-3 वीडियो एक साथ वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में डीपफेक तकनीक के जरिए यह दिखाया जा रहा है कि वह लोगों को निवेश की सलाह दे रही हैं। मूर्ति ने बताया, ₹इन वीडियो में मुझे यह कहते हुए दिखाया गया है कि आप 200 डॉलर या 20,000 रुपये का निवेश करें और आपको इससे कई गुना या शायद दस गुना अधिक रिटर्न मिलेगा। यह पूरी तरह से फर्जी खबर है₹।

मैं कभी पैसों या निवेश पर बात नहीं करती

सुधा मूर्ति, जो मूर्ति ट्रस्ट की चेयरपर्सन भी हैं, ने अपनी छवि के दुरुपयोग पर दुख जताया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, ₹एक नियम के तौर पर, मैं कभी भी निवेश या पैसों से जुड़ी किसी गतिविधि पर बात नहीं करती हूं। मैं हमेशा काम, भारत की संस्कृति, महिलाओं और शिक्षा के बारे में बात करती हूं। मैं कभी भी पैसे निवेश करने और उससे रिटर्न पाने की बात नहीं करती'।

ठगी के शिकार हो रहे हैं लोग

अपनी चेतावनी में सुधा मूर्ति ने खुलासा किया कि उनके कई जानने वाले लोग इन फर्जी वीडियो के जाल में फंसकर अपना पैसा गंवा चुके हैं। उन्होंने हाथ जोड़कर दर्शकों से विनती की कि उनके नाम पर होने वाले किसी भी वित्तीय लेनदेन पर विश्वास न करें।

उन्होंने कहा, ₹लालच के कारण अपनी मेहनत की कमाई मत खोइए, यह एक जाल है जिसमें वे आपको फंसाते हैं। कृपया ऐसा न करें₹।

निवेशकों के लिए सलाहः बैंक और पुलिस से करें संपर्क

सुधा मूर्ति ने लोगों को सलाह दी है कि सोशल मीडिया पर आने वाले वित्तीय लेनदेन के संदेशों पर आंख मूंदकर भरोसा न करें।

सत्यापन करें: उन्होंने आग्रह किया कि किसी भी वित्तीय निर्णय लेने से पहले आधिकारिक चैनलों के माध्यम से जानकारी की पुष्टि करें।

बैंक या पुलिस से पूछें: यदि किसी को कोई संदेह है, तो ईमेल भेजें, बैंक में जाकर पूछताछ करें या पुलिस स्टेशन में संपर्क करें, लेकिन केवल वीडियो देखकर निवेश न करें।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीपफेक के बढ़ते दौर में प्रतिष्ठित हस्तियों के नाम पर वित्तीय धोखाधड़ी एक बड़ी चुनौती बन गई है। ऐसे में सुधा मूर्ति की यह अपील उन लाखों फॉलोअर्स के लिए महत्वपूर्ण है जो उनकी विश्वसनीयता के कारण इन फर्जी स्कीमों का शिकार हो सकते थे।

ईपीएफओ अपनी डिजिटल सेवाओं को नए रूप में लाने की तैयारी में है। ईपीएफओ 3.0 के तहत नया पोर्टल, यूपीआई आधारित भाषा सुविधा और कोर बैंकिंग सिस्टम लागू होगा। साथ ही यूपीआई के जरिए पीएफ निकासी की सुविधा भी अप्रैल 2026 तक शुरू हो सकती है।

ईपीएफओ की डिजिटल क्रांति, नया पोर्टल, एआई टूल और यूपीआई से निकासी की तैयारी

ईपीएफओ (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन) अपनी डिजिटल सेवाओं को पूरी तरह नए रूप में ढालने जा रहा है। इसकी वेबसाइट और सिस्टम का बड़ा बदलाव (revamp) किया जा रहा है। इसमें नया पोर्टल, AI आधारित भाषा अनुवाद टूल और कई नई सुविधाएं शामिल होंगी। यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है, जब EPFO ने हाल ही में निकासी नियमों में ढील देने और UPI से जुड़ी सुविधा लाने का ऐलान किया है।

एक अधिकारी ने बताया कि EPFO 3.10 के तहत पूरा सिस्टम बदला जाएगा। नया टेक्निकल ढांचा बनेगा, बैकएंड में कोर बैंकिंग सॉल्यूशन लागू होगा और पोर्टल भी पूरी तरह नया होगा। इससे संगठित और असंगठित दोनों तरह के कर्मचारियों को बेहतर तरीके से सेवाएं दी जा सकेंगी। भविष्य में यूजर्स की संख्या और ट्रांजैक्शन वॉल्यूम बढ़ने को ध्यान में रखकर यह सिस्टम तैयार किया जा रहा है। फिलहाल EPFO के करीब 8 करोड़ एक्टिव मेंबर हैं और इसके पास लगभग 28 लाख करोड़ रुपये का फंड है।

क्या-क्या बदलाव होंगे?

सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, नए सिस्टम में

बिल्कुल नया पोर्टल और बैकएंड सॉफ्टवेयर होगा

AI आधारित टूल से अलग-अलग भारतीय भाषाओं में जानकारी मिलेगी

पूरा सिस्टम ज्यादा सेंट्रलाइज्ड होगा

कोर बैंकिंग सिस्टम जैसा ढांचा तैयार किया जाएगा, जिससे प्रोसेस तेज और आसान होगा

यह बदलाव नए लेबर कोड्स के तहत असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को भी कवर करने की तैयारी का हिस्सा है। EPFO आगे चलकर असंगठित मजदूरों के फंड का प्रबंधन भी संभाल सकता है।

UPI से EPF पैसा निकालने की सुविधा

EPFO अब ऐसी सुविधा पर काम कर रहा है, जिससे कर्मचारी UPI के जरिए भी अपना EPF पैसा निकाल सकें। खबर है कि मंत्रालय एक ऐसे सिस्टम पर काम कर रहा है, जिसमें EPF का कुछ हिस्सा सुरक्षित (फ्रोजन) रहेगा और बाकी रकम UPI के जरिए सीधे बैंक खाते में ट्रांसफर की जा सकेगी। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा, तो यह सुविधा अप्रैल 2026 तक शुरू हो सकती है। इसके बाद सब्सक्राइबर अपने खाते में उपलब्ध बैलेंस देख सकेंगे और UPI पिन डालकर आसानी से पैसा निकाल पाएंगे। कुल मिलाकर, EPFO का यह डिजिटल बदलाव करोड़ों कर्मचारियों के लिए सेवाओं को ज्यादा आसान, तेज और पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

'रूस और यूक्रेन चाहते हैं समझौता', ट्रंप का दावा- शांति के प्रयास काफी हद तक सफल

दावोस (स्विट्जरलैंड), एजेंसी। यूक्रेन और रूस के बीच शांति को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि रूस और यूक्रेन दोनों ही मौजूदा संघर्ष को समाप्त करने के लिए समझौता करना चाहते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि समझौता कराने के प्रयास 'काफी हद तक सफल' हो चुके हैं, हालांकि उन्होंने दोनों देशों के नेतृत्व के बीच गहरी शत्रुता की ओर भी इशारा किया।

ट्रंप ने ये टिप्पणियां दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की 56वीं वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए कीं, जहां उन्होंने रूस-यूक्रेन संघर्ष, नाटो और युद्ध में वाशिंगटन की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। रूस-यूक्रेन युद्ध पर बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि जेलेंस्की और पुतिन के बीच नफरत के बावजूद इसका समाधान संभव है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'मैंने 8 से अधिक युद्ध सुलझाए हैं, और मुझे लगा था कि यह मेरे लिए आसान युद्धों में से एक होगा। कुछ युद्ध तो मैंने घंटों में ही सुलझा लिए, क्योंकि मैं ऐसे कामों में माहिर हूं। संयुक्त राष्ट्र को यह करना चाहिए। मुझे नहीं, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम लाखों लोगों की जान बचा रहे हैं। यूक्रेन-रूस के मामले में राष्ट्रपति जेलेंस्की और राष्ट्रपति पुतिन के बीच बहुत ज्यादा नफरत है। यह सुलह के लिए अच्छा नहीं है। यह असामान्य नफरत है। इसके बावजूद मुझे लगता है कि रूस समझौता करना चाहता है। मुझे लगता है कि यूक्रेन भी समझौता करना चाहता है और हम समझौता करवाने की कोशिश करेंगे। हम काफी करीब हैं।' इस बीच दावोस में अपने भाषण के दौरान ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध में वाशिंगटन की भूमिका को कम करके आंका और तर्क दिया कि यह संघर्ष मुख्य रूप से यूरोप की जिम्मेदारी है। उन्होंने नाटो के बारे में बात करते हुए कहा कि नाटो अमेरिका के साथ 'बहुत अन्यायपूर्ण' व्यवहार करता है।

ट्रंप ने गठबंधन पर चर्चा करते हुए यूक्रेन और रूस द्वारा उसके खिलाफ चलाए जा रहे युद्ध का मुद्दा उठाया और अपने इस दावे को दोहराया कि अगर वह उस समय राष्ट्रपति होते तो यह युद्ध नहीं होता। उन्होंने 2020 के अमेरिकी चुनावों को 'धांधलीपूर्ण' बताते हुए अपने दावे को दोहराया। युद्ध समाप्त करने के प्रयासों से अमेरिका को क्या हासिल हुआ, इस पर सवाल उठाते हुए ट्रंप ने पूछा कि उनके देश को 'मौत, विनाश और उन लोगों को भारी मात्रा में नकदी देने के अलावा क्या मिला जो हमारे प्रयासों की सराहना नहीं करते?' उन्होंने कहा, '(मैं) नाटो की बात कर रहा हूं, मैं यूरोप की बात कर रहा हूं।

मार्क कार्नी की आलोचना पर भड़के ट्रंप, बोले- अमेरिका की वजह से ही जिंदा है देश

दावोस, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावोस में कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि कनाडा को अमेरिका का शुक्रगुजार होना चाहिए। ट्रंप के मुताबिक, कनाडा को अमेरिका से कई चीजें मुफ्त में मिलती हैं। उन्होंने कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को सीधे संबोधित करते हुए कहा, 'मार्क, अगली बार बयान देते समय याद रखना कि कनाडा अमेरिका की वजह से ही जिंदा है।'

कनाडाई पीएम के बयान पर ट्रंप ने क्या कहा?

ट्रंप का यह बयान तब आया जब एक दिन पहले मार्क कार्नी ने बिना नाम लिए अमेरिकी दबदबे की आलोचना की थी। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कार्नी का भाषण सुना और उन्हें लगा कि कनाडाई पीएम अमेरिका के प्रति बिल्कुल भी शुक्रगुजार नहीं हैं। उन्हें हमारा शुक्रगुजार होना चाहिए।

क्या बोले ट्रंप?

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) के 56वें शिखर सम्मेलन में ट्रंप ने अपनी 'गोल्डन डोम' मिसाइल सुरक्षा प्रणाली का जिक्र किया और कहा कि इससे कनाडा को भी सुरक्षा मिलेगी। हालांकि, ट्रंप पहले भी कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कह चुके हैं और पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो का मजाक उड़ाते हुए उन्हें कनाडा का गवर्नर कहा था।

सोशल मीडिया पर साझा किया था विवादित नक्शा

बता दें कि हाल ही में ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक नक्शा भी साझा किया था, जिसमें कनाडा और वेनेजुएला को अमेरिकी झंडे से ढका हुआ दिखाया गया था। इसका मतलब उन पर अमेरिका का कब्जा था। यह जुबानी जंग ऐसे समय में हुई है जब एक कनाडाई अखबार ने दावा किया है कि कनाडाई सेना अमेरिकी हमले से निपटने की तैयारी कर रही है।

क्या बोले थे कनाडाई पीएम

इससे पहले मंगलवार को कार्नी ने कहा था कि दुनिया की पुरानी व्यवस्था टूट रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अब सिर्फ भूगोल या पुराने समझौतों के भरोसे सुरक्षा नहीं मिल सकती। कार्नी ने कहा कि कनाडा जैसे देशों को एक साथ आना होगा। उन्होंने एक मुहावरे का इस्तेमाल करते हुए कहा कि 'अगर आप मेज पर नहीं हैं, तो आप खाने के मेन्यू में हैं।' कार्नी ने ग्रीनलैंड पर ट्रंप के लगाए गए टैक्स का भी विरोध किया था। उन्होंने कहा था वे ग्रीनलैंड और डेनमार्क के साथ मजबूती से खड़े हैं।

क्या वेनेजुएला में मादुरो की वापसी?: सड़कों पर देखे गए समर्थन वाले पोस्टर, राजधानी कराकास में दिखा ऐसा नजारा

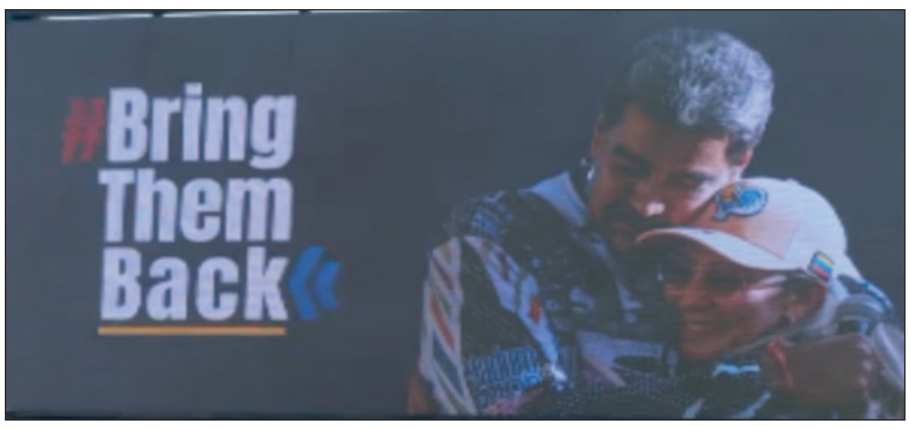

कराकास, एजेंसी। वेनेजुएला की राजधानी कराकास इन दिनों राजनीतिक पोस्टरों से भर गई है। शहर की मुख्य सड़कों, चौराहों, इमारतों और विज्ञापन पट पर लगे पोस्टर में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सत्ता में वापसी की मांग की जा रही है। स्थानीय इलाकों से लेकर व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्रों तक हर जगह ये पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों में मादुरो को देश की स्थिरता और संप्रभुता के प्रतीक के रूप में पेश किया गया है।

वहीं इसको लेकर राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह अभियान मादुरो समर्थक खेमे की संगठित रणनीति का हिस्सा हो सकता है। इनका उद्देश्य आम जनता के बीच अपने समर्थन को मजबूत करना और राजनीतिक माहौल को अपने पक्ष में बनाए रखना है। खास तौर पर ऐसे समय में, जब देश आर्थिक चुनौतियों और अंतरराष्ट्रीय दबावों का सामना कर रहा है।

विपक्ष ने बताया राजनीतिक प्रोपेगेंडा

दूसरी ओर, विपक्षी दलों ने इस तरह के सार्वजनिक प्रचार को एकतरफा राजनीतिक प्रोपेगेंडा करार दिया है। हालांकि, विरोध के बावजूद काराकास की सड़कों पर फिलहाल मादुरो का चेहरा ही सबसे प्रभावी नजर आ रहा है। आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि यह दृश्य वेनेजुएला की राजनीति और जनमत पर कितना असर डालता है।

क्या है विवाद?

यह विवाद मुख्य रूप से नार्को-टेररिज्म और सत्ता की वैधता को लेकर है। अमेरिका ने मादुरो पर दशकों से ड्रग तस्करी करने और 'कार्टेल ऑफ द संस' जैसे समूहों के जरिए अमेरिका में कोकीन भेजने का आरोप लगाया है। इसके अलावा, अमेरिका उन्हें एक अवैध तानाशाह मानता है। अमेरिका का कहना है कि मादुरो चुनावों में धांधली कर सत्ता पर कब्जा बनाए रखा। वर्तमान में मादुरो न्यूयॉर्क की जेल में हैं और उन पर नशीले पदार्थों की तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आपराधिक मामले चल रहे हैं।

अमेरिका ने की थी कार्रवाई

बता दें कि अमेरिकी सेना ने तीन जनवरी 2026 को 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व' (Operation Absolute Resolve) के तहत एक बड़ी सैन्य कार्रवाई करते हुए वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया था। इस ऑपरेशन में करीब 150 लड़ाकू विमानों और विशेष सैन्य बलों (डेल्टा फोर्स) का इस्तेमाल किया गया था। गिरफ्तारी के बाद मादुरो को सीधे न्यूयॉर्क ले जाया गया था।

पश्चिमी अफ्रीकी देश में चुनाव की तैयारी, सेना बोली- दिसंबर में चुने जाएंगे राष्ट्रपति

गिनी-बिसाऊ, एजेंसी। पश्चिम अफ्रीका के गिनी-बिसाऊ देश ने पिछले साल सैन्य तख्तापलट के बाद अब नई सरकार के गठन के लिए देश में नए चुनावों की तारीख तय कर दी है। जुंटा (सैन्य अधिकारियों का एक समूह जो बलपूर्वक सत्ता पर कब्जा करके देश पर शासन करता है) के नेता जनरल होर्टा इंटा-ए ने बुधवार को बताया कि राष्ट्रपति और संसद के चुनाव छह दिसंबर को होंगे। जनरल ने एक आदेश जारी कर कहा कि अब देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए माहौल पूरी तरह तैयार है।

कई बार हुई है तख्तापलट की कोशिश

पिछले साल नवंबर में सेना ने यहां की सत्ता अपने हाथ में ले लिया था। इसके बाद पूर्व सेना प्रमुख इंटा-ए को एक साल के लिए सरकार चलाने की जिम्मेदारी मिली थी। गिनी-बिसाऊ दुनिया के सबसे गरीब देशों में गिना जाता है। पुर्तगाल से आजादी मिलने के 50 साल बाद भी यहां अक्सर तख्तापलट होता रहता है। पिछले साल अक्टूबर में भी तख्तापलट की एक कोशिश हुई थी।

पश्चिम अफ्रीका कई देशों में हुआ है तख्तापलट

यह देश लैटिन अमेरिका और यूरोप के बीच ड्रग्स की तस्करी का बड़ा केंद्र माना जाता है। जानकारों का कहना है कि इसी वजह से यहां राजनीतिक संकट बना रहता है। साल 2020 के बाद से पश्चिम अफ्रीका के कई देशों में सेना ने सत्ता संभाली है। माली, नाइजर और बुर्किना फासो में भी सेना ने सुरक्षा और बेहतर शासन के नाम पर सरकार गिरा दी थी। पड़ोसी देश गिनी में भी 2021 में जनरल ममादी डौम्बौया ने भ्रष्टाचार खत्म करने के वादे के साथ राष्ट्रपति को हटा दिया था।

'दावोस में पिकनिक मनाने गए हैं सारे मुख्यमंत्री...', संजय राउत के तंज पर क्या बोलीं सीएम फडणवीस की पत्नी?

मुंबई, एजेंसी। स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) की सालाना बैठक का आयोजन किया गया है। कई देशों के दिग्गज नेता इस बैठक में हिस्सा लेने दावोस पहुंचे हैं। इस लिस्ट में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम भी शामिल है, जिसे लेकर राज्य में सियासी घमासान छिड़ गया है।

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने सीएम फडणवीस की दावोस यात्रा पर तंज कसा, तो उनकी पत्नी अमृता फडणवीस ने संजय राउत को खूब खरी-खोटी सुनाई है।

मुंबई में एक इवेंट के दौरान अमृता फडणवीस ने कहा, 'मुझे कभी उनकी भाषा समझ नहीं आती है। मगर, मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगा कि जो पिकनिक मनाने जाता है, वो भारत और महाराष्ट्र में निवेश लाने के लिए सुबह 6 बजे से रात के 11 बजे तक कॉन्फ्रेंस और मीटिंग नहीं करता है। इसलिए मुझे लगता है कि उनके अन्य बयानों की तरह ये भी निराधार है।' अमृता ने आगे कहा, 'दावोस में WEF का अंतरराष्ट्रीय फोरम चल रहा है। वहां बिजनेस और अवसरों की तलाश में कई देशों के प्रतिनिधि पहुंचे हैं। मुझे लगता है भारत के सभी राज्यों का नेतृत्व करने वाले नेताओं को वहां जरूर जाना चाहिए।'

संजय राउत ने कसा था तंज

बता दें कि संजय राउत ने दावोस जाने वाले मुख्यमंत्रियों पर सवाल खड़े किए थे। उनका कहना था कि इस यात्रा का खर्च जनता के पैसों से पूरा किया जाएगा, जो गलत है। संजय राउत ने तंज कसते हुए कहा, 'भारत के अलग-अलग राज्यों के मुख्यमंत्री दावोस में पिकनिक मनाने गए हैं।'

बीएमसी मेयर पर बोलीं अमृता

अमृता फडणवीस से जब पूछा गया कि बीएमसी चुनाव में जीत के बाद मुंबई का अगला मेयर कौन होगा? तो उन्होंने कहा, 'वो एक मराठी व्यक्ति होगा।' 15 जनवरी को सामने आए बीएमसी चुनाव के नतीजों में महायुति ने बहुमत हासिल किया है। बीएमसीकी 227 सीटों में से बीजेपी 89 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। वहीं, शिवसेना की 29 सीटें मिलाकर महायुति के पास 118 सीटें हो गईं। वहीं, मेयर को चुनाव जिताने के लिए सिर्फ 114 वोटों की जरूरत है। हालांकि, महायुति ने अभी तक मेयर का नाम उजागर नहीं किया है।

'सूर्योदय से सूर्यास्त तक प्रार्थना कर सकेंगे', धार भोजशाला मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बसंत पंचमी के दिन धार में विवादित भोजशाला में सूर्योदय से सूर्यास्त तक हिंदुओं को प्रार्थना करने की अनुमति दी है। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को भी शुक्रवार के दिन दोपहर 1 बजे से लेकर 3 बजे तक नमाज पढ़ने की इजाजत दी है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम दोनों पक्षों से अपील करते हैं कि वे आपसी सम्मान और सहयोग बरकरार रखें। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य और जिला प्रशासन को कानून व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी।

जिला प्रशासन को पास जारी करने की सलाह

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ ने कहा कि कल दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए आने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों की संख्या जिला प्रशासन को बता दी जाए, पीठ ने कहा कि ये संख्या जिला प्रशासन को आज ही बता दी जाए। प्रशासन

कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भोजशाला आने वालों के लिए पास जारी कर सकता है या कोई और सही तरीका अपना सकता है ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।

सुप्रीम कोर्ट क्यों पहुंचा विवाद?

हिंदू पक्ष ने 20 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें मांग की गई है कि बसंत पंचमी के पूरे दिन धार भोजशाला में अखंड सरस्वती पूजा की अनुमति दी जाए। बसंत पंचमी इस साल शुक्रवार के दिन पड़ रही है और शुक्रवार को मुस्लिम समाज के लोग धार भोजशाला में जुमे की नमाज पढ़ते हैं। यही वजह है कि ये मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया था। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ सुनवाई की। हिंदू फॉर जस्टिस की तरफ से वरिष्ठ वकील विष्णु शंकर जैन और हरिशंकर जैन दलील पेश की। साथ ही वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद ने बाबा कमाल मौलाना वेलफेयर सोसाइटी की ओर से पक्ष रखा।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

सुप्रीम कोर्ट में धार भोजशाला विवाद पर सुनवाई के चलते धार में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। धार में आठ हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस द्वारा लगातार विभिन्न इलाकों में पेट्रोलिंग की जा रही है। धार भोजशाला में भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। वॉच टावर के साथ ही पुलिस चौकी भी बनाई गई है और पुलिस द्वारा संवेदनशील इलाकों में गश्त की जा रही है।

क्या है विवाद?

मध्य प्रदेश के धार में एक एएसआई संरक्षित स्मारक है। हिंदू पक्ष के लोग इसे देवी सरस्वती का मंदिर मानते हैं।

साथ ही यहां मौलाना कमालुद्दीन की मजार है, जिसके चलते मुस्लिम पक्ष भी इस स्मारक पर अपना दावा करता है।

18वीं सदी में यहां अंग्रेज सरकार ने खुदाई कराई थी, जिसमें देवी सरस्वती की प्रतिमा भी निकली थी। इस प्रतिमा को अंग्रेज लंदन ले गए थे, जो आज भी लंदन संग्रहालय में मौजूद है।

देवी सरस्वती की उस प्रतिमा को भी वापस लाने की कोशिश चल रही है। दोनों पक्ष इस स्मारक पर दावा करते हैं।

ऐसे में एएसआई द्वारा जारी आदेश के अनुसार, हिंदू पक्ष के लोगों को हर मंगलवार को भोजशाला परिसर में पूजा करने और मुसलमानों को हर शुक्रवार को भोजशाला परिसर में नमाज पढ़ने की अनुमति मिली हुई है।

शादी के 10 साल और यह सफर अभी भी जारी है: असिन

फिल्मी दुनिया की चमक-दमक से दूर अभिनेत्री असिन थोट्टुमकल एक बार फिर चर्चाओं में हैं। न्होंने शादी की 10वीं सालगिरह के जश्न की झलक साझा की, जिसे उन्होंने बेहद खास और रोमांटिक अंदाज में मनाया। साउथ से लेकर बॉलीवुड तक अपनी दमदार एक्टिंग से पहचान बनाने वाली असिन भले ही अब फिल्मों में नजर नहीं आतीं, लेकिन उनकी झलक का फैंस आज भी इंतजार करते हैं। खास मौके पर असिन ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी खुशियों को लोगों के साथ साझा किया।

असिन ने अपनी 10वीं वेडिंग एनिवर्सरी के मौके पर इंस्टाग्राम स्टोरीज में कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। इनमें उनके पति और बिजनेसमैन राहुल शर्मा भी नजर आए। एक वीडियो में राहुल शर्मा असिन के लिए मशहूर गायक जॉन लेजेंड का गाना ऑल ऑफ मी गाते दिखाई दिए। इस दौरान असिन की हंसी साफ देखी जा सकती है।

असिन ने सबसे पहले एक खूबसूरत सैंड आर्ट की तस्वीर साझा की, जिसे उन्होंने खुद बनाया। इस पर लिखा ए+आर = एआर, और इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, शादी के 10 साल पूरे हो चुके हैं और यह सफर अभी भी जारी है।

इसके बाद असिन ने कुछ वीडियो पोस्ट किए, जिनमें उनकी एनिवर्सरी सेलिब्रेशन की शानदार सजावट देखने को मिली। एक रोमांटिक कैनोपी को लाइटिंग, पर्दे और गुलाब की पंखुड़ियों के साथ खास तरीके से सजाया गया। एक वीडियो के बैकग्राउंड में हॉलीवुड फिल्म टाइटैनिक का मशहूर गाना माई हार्ट विल गो ऑन बज रहा है।

इस खास मौके पर असिन ने बेटी आरिन का नोट भी शेयर किया, जिसे उनकी बेटी ने अपने हाथों से लिखा था, हैप्पी एनिवर्सरी मम्मी-पापा, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं। पूरी दुनिया में आप सबसे अच्छे मम्मी-पापा हैं।

असिन और राहुल शर्मा की शादी जनवरी 2016 में हुई थी। पहले उनकी शादी ईसाई रीति-रिवाज से हुई और उसके बाद हिंदू परंपरा के अनुसार विवाह संपन्न हुआ। शादी के बाद असिन ने फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली। साल 2017 में दोनों आरिन के माता-पिता बने।

ह्यूमन कोकेन के ट्रेलर ने अपनी डार्क, खतरनाक और बेरहमी से असली दुनिया से दर्शकों को हिलाकर रख दिया

ह्यूमन कोकेन का ट्रेलर आखिरकार अलग-अलग डिजिटल और मीडिया प्लेटफॉर्म पर रिलीज़ हो गया है और शुरुआती रिएक्शन आ रहे हैं। चौंकाने वाले विज़ुअल्स और इंटेंस पलों से भरी यह फिल्म ड्रग रैकेट, क्राइम और सर्वाइवल की छिपी हुई दुनिया में एक रॉ और बेचैन करने वाला लुक दिखाती है। ट्रेलर में पुष्कर जोग को एक कैदी के रूप में पूरी तरह से बदले हुए अवतार में दिखाया गया है, जो एक खतरनाक और मुश्किल जाल में फंसा हुआ है। इशिता राज, जो अपने रोमांटिक और हल्के-फुल्के रोल्स के लिए जानी जाती हैं, पहली बार एक डार्क, ग्रिटी और ग्रंजी किरदार निभा रही हैं, जो एक एक्ट्रेस के तौर पर उनकी वर्सेटिलिटी दिखाती है। पुष्कर के साथ कैदी बनी इशिता, एक ज़मीनी और इमोशनल गहराई लाती है जो हर फ्रेम में टेंशन को बढ़ाती है। सिद्धांत कपूर अपने अनोखे लुक से एक ज़बरदस्त असर डालते हैं, एक ब्लैक मिनी ड्रेस में दिखाई देते हैं जो उनके रहस्यमयी और एजी किरदार को और बढ़ा देता है। जाने-माने एक्टर ज़ाकिर हुसैन एक डरावने और दमदार रोल में हैं, और अपनी खतरनाक मौजूदगी से एक गहरी छाप छोड़ते हैं। ह्यूमन कोकेन कोकेन के एक नए, बहुत महंगे रूप के उभरने को दिखाती है, जिसे बहुत ही बेरहम और परेशान करने वाले प्रोसेस से बनाया गया है। जैसे-जैसे यह डरावनी सच्चाई सामने आती है, पुष्कर जोग और इशिता राज खुद को इसके अंधेरे और खतरनाक जाल में फंसा हुआ पाते हैं।

इंटेंस पलों, परेशान करने वाले विज़ुअल्स और कड़वी सच्चाइयों से भरी यह फिल्म असली घटनाओं से प्रेरित एक गहरी कहानी पेश करती है, जो अंडरवर्ल्ड के एक ऐसे पहलू को सामने लाती है जो ज़्यादातर अनदेखा रहता है। फिल्म के बारे में बात करते हुए, पुष्कर जोग ने कहा, ह्यूमन कोकेन ने मुझे एक एक्टर और एक इंसान के तौर पर आगे बढ़ाया। यह कैरेक्टर ऐसे हालात में फंसा हुआ है जो उसके कंट्रोल से बाहर हैं और वह लाचारी, वह डर, वह गुस्सा कैमरा बंद होने के बाद भी मेरे साथ रहा। यह मेरे अब तक के सबसे इंटेंस प्रोजेक्ट्स में से एक है।

राइटर और डायरेक्टर सरीम मोमिन ने कहा, ह्यूमन कोकेन हमारे आस-पास मौजूद एक डरावनी सच्चाई की झलक है। इसे देखना आरामदायक या आसान नहीं है। यह परेशान करने, उकसाने और बातचीत शुरू करने के लिए है। इस फिल्म का हर किरदार समाज के एक ऐसे पहलू को दिखाता है जो अक्सर छिपा होता है। इशिता राज, सिद्धांत कपूर, ज़ाकिर हुसैन और ब्रिटिश एक्टर्स की एक दमदार टीम वाली इस फिल्म में एक मज़बूत इंटरनेशनल एस्थेटिक है।

सरीम मोमिन द्वारा डायरेक्ट और लिखी गई, ह्यूमन कोकेन को स्कारलेट स्लेट स्टूडियोज़, वाइनलाइट लिमिटेड और टेक्स्टस्टेप सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले गूज़बंप्स एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया गया है। प्रोड्यूसर ची टेंग जू और हरित देसाई हैं। फिल्म को सिनेमैटोग्राफर सोपान पुरंदरे ने शूट किया है और संदीप फ्रांसिस ने एडिट किया है।

ज़बरदस्त बैकग्राउंड स्कोर क्षितिज तारे ने बनाया है, जबकि कोरियोग्राफी पवन शेट्टी और खालिद शेख ने की है, जो कहानी में और गहराई लाती है। यूनाइटेड किंगडम में बड़े पैमाने पर शूट की गई, ह्यूमन कोकेन सिर्फ़ एक फ़िल्म नहीं है — यह उस दुनिया का एक पक्का आईना है जिसका सामना करने से हम डरते हैं। यह फ़िल्म 30 जनवरी, 2026 को थिएटर में रिलीज़ होगी।

भूमि पेडनेकर की सीरीज दलदल का टीजर रिलीज, वेब सीरीज में दिखेगा अभिनेत्री का बेखौफ अंदाज

प्राइम वीडियो ने अपनी हिंदी क्राइम थ्रिलर सीरीज दलदल की दुनिया भर में प्रीमियर की तारीख 30 जनवरी घोषित की, साथ ही एक जबरदस्त, खौफनाक टीजर भी जारी किया। विष धमिजा की बेस्टसेलिंग किताब भेंडी बाजार पर आधारित दलदल एबंडेंशिया एंटरटेनमेंट का प्रोडक्शन है। इसे सुरेश त्रिवेणी ने सीरीज के लिए तैयार किया है और विक्रम मल्होत्रा तथा सुरेश त्रिवेणी ने इसे प्रोड्यूस किया है।

इसका निर्देशन अमृत राज गुप्ता ने किया है और कहानी त्रिवेणी के साथ श्रीकांत अग्निस्वरन, रोहन डिसूजा, प्रिया सग्गी और हुसैन हैदरी ने लिखी है। मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित, यह सीरीज मुंबई क्राइम ब्रांच की नवनियुक्त डीसीपी रीता फरेरा की कहानी है, जिसका किरदार भूमि पेडनेकर ने निभाया है, क्योंकि वह जीवित रहने के एक उच्च जोखिम वाले खेल में खुद को एक निर्दयी हत्यारे का सामना करती हुई पाती है।

भूमि पेडनेकर के साथ, सीरीज में समारा तिजोरी और आदित्य रावल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। दलदल का प्रीमियर 30 जनवरी को पूरे भारत में और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर होगा।

दलदल की कहानी डीसीपी रीटा फरेरा के इर्द-गिर्द घूमती है। रीटा एक ऐसी पुलिस अधिकारी हैं जो न्याय के लिए समर्पित हैं, लेकिन अपने अतीत की गलती और अंदर के डर से परेशान भी हैं और वह एक बेरहम कातिल का पीछा करने के एक खौफनाक मिशन में फंस जाती है। टीजर दर्शकों को एक ऐसे दुनिया में ले जाता है जहां हिंसा और मानसिक डर सिर्फ चौंकाने वाला नहीं है, बल्कि लंबे समय तक असर डालता है।

यह डरावना टीजर बेरहमी से मारे गए पीड़ितों को दिखाता है। उनकी कलाई काट दी जाती हैं, मुंह में कच्चा मांस, मोबाइल फोन और अन्य वस्तुएं ठूंस दी जाती हैं। हर अपराध एक विकृत मानसिकता को उजागर करता है। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ती है, रीटा खुद को केस की बर्बरता और अपने अंदर की उथल-पुथल के बीच फंसी पाती हैं। साथ ही, उन्हें पुलिस बल के भीतर मौजूद पक्षपात का भी सामना करना पड़ता है। टीजर की बर्बरता के चित्रण से साफ है कि यह सीरीज कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है।

मूल रूप से, दलदल सिर्फ एक क्राइम-सस्पेंस कहानी नहीं है, बल्कि यह आघात और नैतिकता की गहन पड़ताल भी है। यह कहानी केवल यह नहीं पूछती कि अपराध किसने किया, बल्कि उससे कहीं अधिक भयावह सवाल उठाती है कि ऐसा क्यों किया गया।

'दलदल' के साथ प्राइम वीडियो पर इस क्राइम सीजन की रोमांचक शुरुआत हो रही है। इस सीजन में शामिल हैं, 'क्रॉस' के दूसरे सीजन में एल्डिस हॉज की बहुप्रतीक्षित वापसी, गाई रिची की 'यंग शर्लक', जो प्रिय जासूस शर्लक होल्म्स की नई व्याख्या और उत्पत्ति कहानी पेश करती है और 'स्कार्पेटा', एक रोमांचक और परिष्कृत फोरेंसिक मिस्ट्री जिसमें निकोले किडमैन और जैमी ली कर्टिस।

इसके अलावा, इस सीजन में है '56 डेज', एक नई थ्रिलर सीरीज, जो कैथरीन रयान हॉवर्ड के बेस्टसेलिंग उपन्यास पर आधारित है और डव कैमरून स्टारर है, साथ ही तेलुगु फिल्म 'चीकटिलो', जिसमें शोभिता धुलिपाला हैं। ये सभी प्रोजेक्ट्स इस वसंत ऋतु में विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर लॉन्च होंगे।

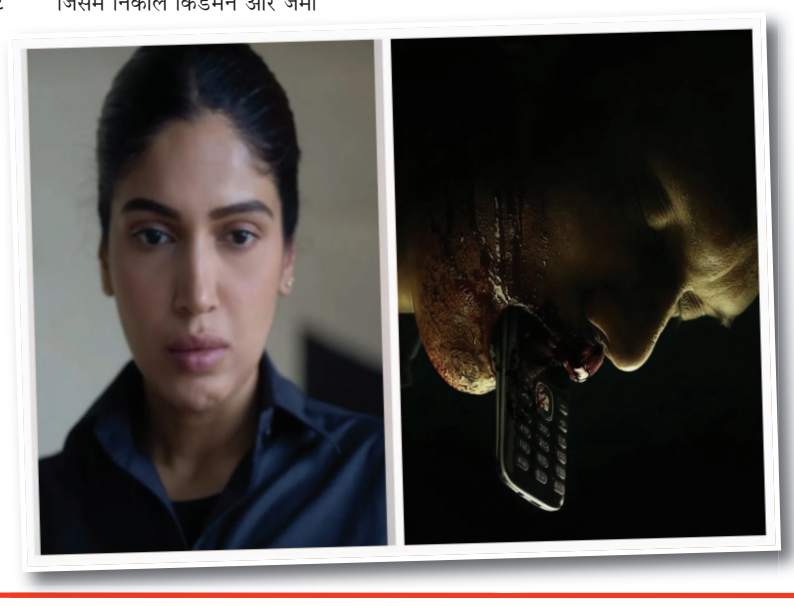

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com